Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 171 | मंगलवार, 30 जून-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

असम में मॉनसून का तांडव! बाढ़ की पहली लहर से 22,000 से अधिक लोग प्रभावित, रेलवे पुल टूटने से रेल संपर्क ठप

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

असम। असम और पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश में पिछले कई दिनों से जारी मूसलाधार बारिश के बाद असम में इस मॉनसून की बाढ़ का पहला दौर शुरू हो गया है। अधिकारियों के मुताबिक, राज्य के छह जिलों में बाढ़ के पानी ने भारी तबाही मचाई है, जिससे 22,000 से अधिक लोग सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं। उफनती नदियों के तेज बहाव और नदी के किनारों पर हो रहे भीषण कटाव के कारण एक महत्वपूर्ण रेलवे पुल का खंभा क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे क्षेत्र में रेल संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ASDMA) के अनुसार, धेमाजी, नलबाड़ी, डिब्रूगढ़, चिरांग, लखीमपुर और कोकराझार ज़िलों में बाढ़ से 22,124 लोग प्रभावित हुए हैं। धेमाजी सबसे ज्यादा प्रभावित ज़िला बनकर उभरा है, जहाँ 15,483 लोग बाढ़ के बढ़ते पानी के असर से जूझ रहे हैं।

रेलवे पुल को नुकसान, ट्रेन सेवाएँ रोकी गईं

नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे (NFR) ने घोषणा की है कि भारी बाढ़ और नदी के किनारे के कटाव के कारण रेलवे पुल का एक खंभा (पियर) अस्थिर हो जाने के बाद आचीर्पाथर और सिमेन चापरी स्टेशनों के बीच ट्रेनों की आवाजाही अनिश्चित काल के लिए रोक दी गई है। NFR के एक प्रवक्ता ने कहा कि KM 408/11-13 पर रेलवे पुल पर बाढ़ और किनारे के कटाव का असर पड़ने के कारण, आचीर्पाथर और सिमेन चापरी स्टेशनों के बीच वाले हिस्से में ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया है। NFR ने एक बयान में कहा, '1965 में बना और बाद में ब्रॉड गेज में बदला गया यह पुल अच्छी और सुरक्षित स्थिति में था, लेकिन भारी बारिश के दौरान नदी के किनारे का एक बड़ा हिस्सा बह जाने के कारण इसका एक खंभा अस्थिर हो गया।'

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी ट्रेन को नुकसान नहीं पहुँचा और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। चूँकि प्रभावित हिस्सा कम ट्रैफ़िक वाली ब्रांच लाइन है, इसलिए नदी के उफान को देखते हुए एहतियात के तौर पर ट्रेनों की आवाजाही पहले ही रोक दी गई थी। बयान में कहा गया, 'तिनसुकिया डिवीजन के तहत मुर्कोंगसेलेक और सिलापाथर के बीच रूट पर ट्रेनों की आवाजाही अगले आदेश तक बंद रहेगी। इस रूट पर ट्रेनें सिलापाथर से ही शॉर्ट-टर्मिनेट और शॉर्ट-ऑरिजिनेट होंगी (यानी सिलापाथर तक ही आएँगी और वहीं से चलेंगी)।' रेलवे अधिकारियों ने मुर्कोंगसेलेक और सिलापाथर के बीच यात्रियों को लाने-ले जाने के लिए बसों का इंतजाम किया है। फँसे हुए यात्रियों की मदद के लिए धेमाजी, सिलापाथर और मुर्कोंगसेलेक रेलवे स्टेशनों पर हेल्प डेस्क भी बनाए गए हैं। NFR ने कहा कि वह ज़िला अधिकारियों और असम सरकार के साथ मिलकर स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है।

गाँवों, फसलों और मवेशियों को भारी नुकसान

बाढ़ का पानी प्रभावित ज़िलों के 96 गाँवों में भर गया है, जबकि लगभग 1,690 हेक्टेयर कृषि भूमि को नुकसान पहुँचा है। बढ़ते जलस्तर ने मवेशियों पर भी बुरा असर डाला है; बाढ़ की मौजूदा लहर के दौरान 48,199 जानवर प्रभावित हुए हैं।

लगातार बारिश के कारण ब्रह्मपुत्र और उसकी कई सहायक नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। ASDMA के अनुसार, शिवसागर ज़िले के नांगलामुराघाट में दिसांग नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे चिंता बढ़ गई है कि अगर बारिश जारी रही तो बाढ़ की स्थिति और बिगड़ सकती है।

अमित शाह ने उट हिमंत के साथ बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की

पर बातचीत की जानकारी देते हुए, हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने धेमाजी में बाढ़ की स्थिति और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे राहत कार्यों के बारे में जानने के लिए उन्हें खुद फोन किया। मुख्यमंत्री ने लिखा, 'मैं माननीय गृह मंत्री अमित शाह का धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने मुझे फोन करके धेमाजी में बाढ़ की स्थिति के बारे में पूछा। मैंने उन्हें यहाँ किए जा रहे राहत और पुनर्वास कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने हमें इस स्थिति से निपटने के लिए भारत सरकार की ओर से हर संभव मदद का भरोसा भी दिलाया है।'

CM ने राहत और पुनर्वास का भरोसा दिलाया

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ की बदलती स्थिति, खासकर धेमाजी जिले में, पर बारीकी से नजर रख रही है और अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित परिवारों तक तुरंत मदद पहुँचाई जाए। सरमा ने रविवार को पर एक पोस्ट में कहा, 'जब से धेमाजी में बाढ़ की स्थिति बनी है, मैं लगातार हालात पर नजर रख रहा हूँ। लोगों के जीवन पर पड़े असर से हमें गहरा दुख है और इस मुश्किल समय में हम मजबूती से उनके साथ खड़े हैं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 'प्रभावित सभी परिवारों की तत्काल सुरक्षा और दीर्घकालिक पुनर्वास को प्राथमिकता देते हुए अपने सभी संसाधनों को जुटा रही है'।

हरियाणा और राजस्थान के बीच ऐतिहासिक जल समझौता, अमित शाह की मौजूदगी में साइन हुआ एमओयू

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में सोमवार को कर्तव्य भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक के दौरान हरियाणा और राजस्थान सरकारों के बीच यमुना जल बंटवारे को लेकर ऐतिहासिक समझौते पर MoU साइन किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा और राजस्थान ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में 1994 के अपर यमुना रिवर बोर्ड (UYRB) समझौते को लागू करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इससे राजस्थान को मॉनसून के दौरान हथिनी कुंड बैराज से पानी मिल सकेगा।

32 साल पहले हुआ था समझौता

दरअसल, ये समझौता 32 साल पहले हुआ था, लेकिन नहर प्रणाली न होने से अब तक लागू नहीं हो सका था। अब इस नए समझौते के तहत मानसून के महीनों में हथनी कुंड बैराज से एक भूमिगत जल पाइपलाइन के माध्यम से राजस्थान को उसके हिस्से का पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

अधिकारियों का कहना है कि इस ऐतिहासिक समझौते के धरातल पर उतरने से रेणुका, किशाऊ और लखवार बांध परियोजनाओं के काम में काफी तेजी आएगी। राज्यों के बीच बड़े स्तर पर बढ़े इस आपसी सहयोग से न केवल दोनों प्रदेशों के जल प्रबंधन को एक नई दिशा मिलेगी, बल्कि पानी की बबार्दी को रोकने में भी बड़ी सफलता हासिल होगी। गौरतलब है कि यमुना नदी के सतही बहाव के बंटवारे को लेकर 12 मई 1994 को यमुना बेसिन वाले राज्यों- उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली के बीच यमुना नदी के पानी के बंटवारे को लेकर समझौता हुआ था, जिसमें साल 2000 में उत्तराखंड भी शामिल हो गया था।

नोएडा सेक्टर 119 की हाईराइज बिल्डिंग में एसी फटने से मचा हड़कंप, फ्लैट में लगी भीषण आग

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ती गर्मी के बीच एयर कंडीशनर (AC) फटने और उनमें शॉर्ट-सर्किट से आग लगने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सोमवार को नोएडा के सेक्टर 119 स्थित 'अरण्य सोसाइटी' (Eldeco Am आमंत्रित/अरण्य) में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक बहुमंज़िला इमारत की 22वीं मंज़िल पर स्थित एक फ्लैट में भीषण आग लग गई। शुरूआती जांच और रिपोर्ट के मुताबिक, यह हादसा एसी यूनिट में हुए एक जोरदार धमाके की वजह से हुआ। मौके पर छह दमकल गाड़ियां भेजी गईं और दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। गौतम बुद्ध नगर के चीफ फायर ऑफि सर और स्थानीय पुलिस भी मौके पर मौजूद हैं और बचाव व आग बुझाने के काम की निगरानी कर रहे हैं।

नोएडा पुलिस के मुताबिक, सेक्टर 113 पुलिस स्टेशन के इलाके में आने वाली अरण्य सोसाइटी के एक फ़्लैट में आग लगने की सूचना मिली थी। फायर सर्विस की टीमों ने तुरंत कार्रवाई की और आग बुझाने का काम शुरू किया।

अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग को पूरी तरह बुझाने की कोशिशें जारी हैं, और उम्मीद है कि स्थिति नियंत्रण में आने के बाद अधिकारी और जानकारी देंगे।

मुख्यमंत्री ने आग की घटना का जायजा लिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा में आग की घटना का संज्ञान लिया और वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने, घायलों के उचित इलाज की व्यवस्था करने, प्रशासनिक सतर्कता बनाए रखने और चल रहे राहत कार्यों की लगातार निगरानी करने का निर्देश दिया। सोमवार तड़के उत्तर-पश्चिम दिल्ली के केशव पुरम इलाके में चार मंज़िला रिहायशी इमारत में आग लग गई, जिसके बाद बचाव अभियान चलाया गया और छत से तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अधिकारियों ने बताया कि फायर डिपार्टमेंट के कर्मचारियों ने छत से तीन लोगों - गौरव (28), कायरा (25) और इंदु बत्रा (55) - को सुरक्षित नीचे उतारा। इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

55 दिन में इंसाफः महाराष्ट्र में 4 साल की बच्ची से रेप-हत्या के दोषी 65 साल के भीमराव कांबले को फांसी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पुणे। महाराष्ट्र के नसरपुर में 4 साल की बच्ची का रेप और मर्डर केस में पुणे की स्पेशल फास्ट-ट्रैक कोर्ट ने आरोपी भीमराव कांबले को मौत की सजा सुनाई है। पॉक्सो एक्ट के तहत चले इस मुकदमे में 55 दिन बाद अदालत का फैसला आया है। भोर तहसील में चार साल की बच्ची की बेरहमी से हत्या के इस मामले में 65 साल के भीमराव कांबले को पहले ही दोषी ठहराया जा चुका था और कोर्ट को उम्रकैद या मौत की सजा में से किसी एक पर फैसला करना था।

महाराष्ट्र के सबसे तेजी से पूरे हुए मुकदमों से एक बना ये केस

इस मामले का जिक्र अक्सर महाराष्ट्र के हालिया कानूनी इतिहास में सबसे तेजी से पूरे हुए मुकदमों में से एक के तौर पर किया जा रहा है। इसकी वजह थी पुलिस की तेज कार्रवाई, 1,200 पन्नों की विस्तृत चार्जशीट और स्पेशल जज एस.आर. सालुंखे के सामने रोजाना होने वाली इन-कैमरा सुनवाई। स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अजय मिसर ने यह तर्क देते हुए मौत की सजा पर जोर दिया कि अपराध की क्रूरता सुप्रीम कोर्ट के रेयरेस्ट ऑफ रेयर सिद्धांत को पूरा करती है, जबकि बचाव पक्ष ने आरोपी की उम्र और गुनाह से इनकार को कम करने वाले फैक्टर बताया। फैसले का दौर तब आया जब कोर्ट ने कई गवाहों की गवाही रिकॉर्ड की और बड़े पैमाने पर फोरेंसिक और हालात के सबूतों की जांच की, जिसके कारण 25 जून को सजा हुई।

थ्री लैंग्वेज पॉलिसी के लिए सीबीएसई ने जारी की गाइडलाइन, इन छात्रों को मिली छूट

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने स्कूलों में थ्री लैंग्वेज पॉलिसी को लागू करने का दिशानिर्देश जारी की है। हालांकि, कक्षा 10वीं के वर्तमान बैच पर यह नई नीति लागू नहीं होगी। इससे बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को राहत मिलेगी। CBSE की नई गाइडलाइन के अनुसार, फिलहाल कक्षा 7वीं, 8वीं और 9वीं में पढ़ रहे छात्रों को 10वीं में जाने पर तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा देने की जरुरत नहीं होगी। लेकिन, जिन छात्रों ने पहले से दो विदेशी भाषाएं रखी हैं, वे उन्हीं भाषाओं के साथ-साथ एक अतिरिक्त भारतीय भाषा भी पढ़ेंगे। बोर्ड ने आश्वासन दिया है कि भाषा सीखने की प्रक्रिया को आसान और आकर्षक बनाया जाएगा। छात्रों को उनके क्लास के हिसाब से समयबद्ध तरीके से अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। 2026-27 शैक्षणिक सत्र में 9वीं कक्षा में पढ़ रहे छात्रों को तीसरी भाषा (R3) का मूल्यांकन केवल विद्यालय के आंतरिक मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा। वहीं जब ये छात्र 2027-28 में 10वीं कक्षा में पहुंचेंगे, तब भाषा के लिए उड़ए बोर्ड की कोई परीक्षा नहीं होगी। बोर्ड ने कक्षा सातवीं और आठवीं में पढ़ रहे छात्रों के लिए भी नियम स्पष्ट कर दिए हैं। जब ये छात्र कक्षा नौवीं और दसवीं में जाएंगे, तो वे तीन भाषाओं का अध्ययन जारी रखेंगे, जिनमें से दो भारतीय भाषाएं होंगी। राहत वाली बात यह है कि 7वीं और 8वीं में पढ़ रहे वर्तमान बैच के छात्र जिसने पहले ही दो गैर-मातृभाषाओं का चयन कर लिया है, उन्हें सिर्फ एक भारतीय भाषा का चयन करना होगा और कक्षा 10 तक उस भाषा को रखना होगा। वर्तमान कक्षा 9 के बैच की तरह, तीसरी भाषा का मूल्यांकन स्कूल के आंतरिक मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा, और इसके लिए कोई बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। CBSE ने बताया कि NCERT द्वारा सभी 22 निर्धारित भारतीय भाषाओं के लिए कक्षा श्की विशेष पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जा रही हैं। CBSE ने तीन-भाषा नीति के तहत कुछ छूटों की भी घोषणा की है। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CwSN) को विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत दी जाने वाली छूट और रियायतें मिलती रहेंगी।

जयपुर के आमेर में निमार्णाधीन रिजॉर्ट बना 'मौत का कुआं', दीवार गिरने से 3 मजदूरों की दर्दनाक मौत

राजस्थान(वेलकम इंडिया)। राजस्थान के आमेर में एक रिसॉर्ट में बन रही दीवार गिरने से कम से कम तीन मजदूरों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। यह घटना राजस्थान के जयपुर ज़िले के चंदवाजी इलाके में तालामोड के पास हुई। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, अरावली पैलेस रिजॉर्ट में बाउंड्री वॉल बनाने का काम चल रहा था और साथ ही सीवरेज पिट की मरम्मत भी की जा रही थी। काम के दौरान अचानक दीवार गिर गई, जिससे मलबे के नीचे करीब छह मजदूर दब गए। पुलिस ने बताया कि मलबे के नीचे दबने से दो महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई। तीन घायल मजदूरों को बचाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। दीवार गिरने की सूचना मिलने पर चांदवाजी पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुँचे और बचाव अभियान शुरू किया। हादसे के बाद घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। जयपुर ग्रामीण के DCP हनुमान प्रसाद मीणा ने कहा पुलिस ने दीवार गिरने के कारणों का पता लगाने के लिए जाँच शुरू कर दी है। जयपुर के ताला मोड़ के चांदवाजी इलाके में दीवार गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। घायलों को अस्पताल पहुँचाया गया है। बचाव अभियान जारी है।

योगी आदित्यनाथ फुल एक्शन में, आगरा में अफसरों को चेतावनी- घटिया काम पर दर्ज होगी एफआईआर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि राज्य में विकास, सुशासन और जन-कल्याण के प्रयासों को नई गति मिलेगी। उन्होंने पीलीभीत की बरखेड़ा और बिसलपुर विधानसभा सीटों पर 569 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली 66 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मुरादाबाद में भी उन्होंने 365 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली 63 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शुभारंभ किया। इन परियोजनाओं में मुरादाबाद नगर, मुरादाबाद देहात और कुंदरकी विधानसभा क्षेत्रों के साथ-साथ नगर निगम और मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की परियोजनाएं भी शामिल थीं। एक दिन पहले, आदित्यनाथ ने आगरा डिवीजन के लिए विकास कार्यों, कानून-व्यवस्था की स्थिति और लोक निर्माण विभाग (PWD) की प्रस्तावित कार्ययोजना की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में क्वालिटी और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डिविजनल कमिश्नर के ऑडिटोरियम में एक हाई-लेवल मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास कार्यों में कमियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी और किसी भी हाल में क्वालिटी से समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगरा, जो अब एक मेट्रो शहर है, वहां मेट्रो स्टैंडर्ड के हिसाब से पानी की सप्लाई, सड़कें, सीवरेज और शहर को सुंदर बनाने की सुविधाएं होनी चाहिए। सरकारी बयान के अनुसार, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ग्रामीण सड़कों पर भारी वाहनों की आवाजाही पर तुरंत रोक लगाएं और सड़कों को नुकसान पहुंचाने वाले वाहन मालिकों से मरम्मत का खर्च वसूलें। उन्होंने जल जीवन मिशन, अमृत (AMRUT) योजना, सीवर लाइन प्रोजेक्ट और अन्य बुनियादी ढांचा कार्यों के लिए खोदी गई सड़कों की खराब मरम्मत पर भी नाराजगी जताई।

आदित्यनाथ ने चेतावनी दी कि खराब क्वालिटी के निर्माण के लिए इंजीनियर और ठेकेदार सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे घटिया काम के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ FIR दर्ज करें और कानूनी कार्रवाई शुरू करें। मुख्यमंत्री ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों के कारण आगरा एयरपोर्ट के विस्तार, नए पुलों के निर्माण और सड़क चौड़ीकरण परियोजनाओं में आ रही कानूनी अड़चनों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि विकास परियोजनाएं न रुकें और उनसे कहा कि वे अदालतों में सरकार का पक्ष प्रभावी ढंग से रखने के लिए वरिष्ठ वकीलों का एक पैनल बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि जहां पुराने पेड़ सड़क चौड़ी करने के काम में बाधा डालते हैं, वहां उन पेड़ों वाली जमीन को बचाते हुए वैकल्पिक रास्ते तैयार किए जाने चाहिए।

संपादक की कलम से

विश्व बदला, परिषद क्यों नहीं?

ललित शर्मा
संपादक

द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद 1945 में जब संयुक्त राष्ट्र (United Nations) की स्थापना हुई, तब विश्व की राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक परिस्थितियाँ आज से बिल्कुल भिन्न थीं। उस समय की वैश्विक शक्ति-संरचना के अनुरूप संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) का गठन किया गया, जिसमें पाँच देशों—अमेरिका, रूस (तत्कालीन सोवियत संघ), ब्रिटेन, फ्रांस और चीन—को स्थायी सदस्यता तथा वीटो का विशेषाधिकार प्रदान किया गया। उस दौर में यह व्यवस्था वैश्विक शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त मानी गई थी। किंतु लगभग आठ दशक बाद विश्व पूरी तरह बदल चुका है। उपनिवेशवाद का अंत हो चुका है, अनेक नए राष्ट्र अस्तित्व में आ चुके हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था का केंद्र एशिया की ओर स्थानांतरित हो रहा है, और अंतरराष्ट्रीय राजनीति एकध्रुवीय से बहुध्रुवीय (Multipolar) व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि विश्व बदल चुका है, तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की संरचना अब भी 1945 की वास्तविकताओं पर क्यों आधारित है? आज सुरक्षा परिषद के विस्तार की मांग केवल ऐतिहासिक अन्याय को सुधारने का प्रयास नहीं है, बल्कि उसकी वैधता, प्रतिनिधित्व और कार्यात्मक विश्वसनीयता को बनाए रखने की अनिवार्य आवश्यकता बन चुकी है। रूस-यूक्रेन युद्ध, गाजा संकट, आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी वैश्विक चुनौतियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वर्तमान सुरक्षा परिषद अनेक मामलों में प्रभावी और समयानुकूल निर्णय लेने में असमर्थ दिखाई देती है। ऐसे समय में भारत की स्थायी सदस्यता का प्रश्न केवल राष्ट्रीय प्रतिष्ठा का विषय नहीं, बल्कि वैश्विक शासन प्रणाली के लोकतंत्रीकरण और संतुलन का मुद्दा बन गया है। भारत की दावेदारी अनेक ठोस आधारों पर स्थापित है। विश्व की सबसे बड़ी आबादी और सबसे बड़े लोकतंत्र का प्रतिनिधित्व करने वाला भारत आज वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और कूटनीति का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है। विश्व अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है और आने वाले वर्षों में इसके शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। डिजिटल नवाचार, अंतरिक्ष विज्ञान, हरित ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवाओं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। भारत केवल एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक निर्णय-निर्माण में सक्रिय और जिम्मेदार भागीदार के रूप में उभरा है। संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों में भारत का योगदान उसकी विश्वसनीयता को और मजबूत करता है। भारत दशकों से हजारों सैनिकों, चिकित्सकों और पुलिसकर्मियों को विभिन्न शांति मिशनों में भेजता रहा है। अनेक भारतीय सैनिकों ने विश्व शांति की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। यह योगदान केवल सैन्य उपस्थिति नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय उत्तरदायित्व के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विडंबना यह है कि जो देश संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों को सबसे अधिक व्यवहार में लागू करता रहा है, वही आज भी सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता से वंचित है। भारत की विदेश नीति भी उसकी दावेदारी को सुदृढ़ करती है। 'वसुधैव कुटुम्बकम', 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' और 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर' जैसे विचार केवल नारे नहीं, बल्कि भारत की वैश्विक दृष्टि का प्रतिबिंब हैं। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने वैश्विक दक्षिण (Global South) की आवाज को प्रमुखता दी और अफ्रीकी संघ को जी-20 की स्थायी सदस्यता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बदरंग चेहरों पर 'रामभक्त' और 'राष्ट्रभक्त' मुखौटे लगाने की होड़

एन0के0शर्मा
लेखक

सत्ता का सबसे खतरनाक छल वह नहीं होता जो जनता की जेब पर डाका डालता है; उससे भी अधिक भयावह वह होता है जो जनता की चेतना पर अधिकार कर लेता है। जब चरित्र की दरिद्रता को आस्था की चादर से ढकने का प्रयास होने लगे, जब नैतिक दिवालियापन को राष्ट्रभक्ति के नारों से सजाया जाने लगे, और जब जनसेवा के स्थान पर छवि-प्रबंधन राजनीति का सर्वोच्च धर्म बन जाए, तब लोकतंत्र केवल चुनावों का उत्सव रह जाता है, जबकि उसकी आत्मा धीरे-धीरे क्षीण होने लगती है। इतिहास गवाह है कि किसी भी राष्ट्र का सबसे बड़ा संकट तब नहीं आता जब उसकी सीमाओं पर शत्रु खड़े होते हैं, बल्कि तब आता है जब उसके भीतर नैतिकता का स्थान अभिनय, चरित्र का स्थान प्रचार और सेवा का स्थान स्वार्थ ले लेता है। जब सार्वजनिक जीवन में आदर्श केवल भाषणों तक सीमित रह जाएँ और आस्था तथा राष्ट्रप्रेम जनसेवा की प्रेरणा के बजाय राजनीतिक पहचान का माध्यम बन जाएँ, तब लोकतंत्र के सामने एक गंभीर चुनौती खड़ी होती है। आज सार्वजनिक विमर्श में 'रामभक्त' और 'राष्ट्रभक्त' जैसे शब्द अत्यंत सम्मान और संवेदनशीलता से जुड़े हैं। करोड़ों लोगों के लिए ये केवल राजनीतिक नारे नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति, त्याग और कर्तव्य के प्रतीक हैं। किंतु जब इन्हीं शब्दों का उपयोग केवल छवि निर्माण, चुनावी लाभ या वैचारिक प्रतिद्वंद्वियों को कटघरे में खड़ा करने के औजार के रूप में होने लगे, तब समाज में स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों को यह अधिकार है कि वे सार्वजनिक जीवन में कथनी और करनी के बीच सामंजस्य की अपेक्षा करें। राम का नाम भारतीय चेतना में मर्यादा, न्याय, सत्य, करुणा और लोककल्याण का प्रतीक है। इसी प्रकार राष्ट्रभक्ति का अर्थ केवल घोषणाएँ नहीं, बल्कि संविधानसम्मत आचरण, सार्वजनिक संसाधनों के प्रति ईमानदारी, नागरिकों के अधिकारों का सम्मान और राष्ट्रहित को निजी हित से ऊपर रखना है। यदि कोई व्यक्ति या संस्था स्वयं को इन मूल्यों का प्रतिनिधि बताती है, तो समाज उसके आचरण की समीक्षा करने के लिए स्वतंत्र है। लोकतंत्र में सबसे बड़ी कसौटी यही है कि सत्ता, विपक्ष, प्रशासन, मीडिया और नागरिक समाज—सभी समान नैतिक मानकों के अधीन हों। किसी भी दल, विचारधारा या व्यक्ति के प्रति समर्थन या विरोध के आधार पर अलग-अलग नैतिक मानदंड अपनाना लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करता है। जनप्रतिनिधियों और सार्वजनिक पदों पर आसीन लोगों से अपेक्षा रहती है कि वे अपने कार्यों के प्रति पारदर्शी और जवाबदेह रहें। जब सार्वजनिक जीवन में प्रतीकों का महत्व बढ़ जाता है और व्यवहार का महत्व घट जाता है, तब मुखौटे वास्तविक चरित्र से अधिक प्रभावशाली दिखाई देने लगते हैं। यह स्थिति किसी एक दल या विचारधारा तक सीमित नहीं है; इतिहास में विभिन्न देशों और कालखंडों में ऐसी प्रवृत्तियाँ देखने को मिली हैं। इसलिए किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए आवश्यक है कि वह व्यक्तिपूजा के बजाय संस्थागत जवाबदेही, आलोचनात्मक सोच और तथ्याधारित विमर्श को प्रोत्साहित करे। पत्रकारिता का दायित्व भी इसी बिंदु पर महत्वपूर्ण हो जाता है। उसका कार्य किसी विशेष विचारधारा का प्रचार या विरोध करना नहीं, बल्कि सत्ता और प्रभाव रखने वालों से कठिन प्रश्न पूछना, तथ्यों की जाँच करना और जनहित के मुद्दों को सामने लाना है। लोकतंत्र में एक स्वतंत्र और उत्तरदायी पत्रकारिता मुखौटे नहीं बनाती; वह सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता बढ़ाने का प्रयास करती है। अंततः समाज को यह समझना होगा कि न तो रामभक्ति का प्रमाण ऊँची आवाज में दिए गए नारों से मिलता है और न ही राष्ट्रभक्ति का प्रमाण केवल प्रतीकों के प्रदर्शन से। इन मूल्यों की वास्तविक कसौटी सत्यनिष्ठा, सेवा, न्याय, करुणा, ईमानदारी और सार्वजनिक उत्तरदायित्व है। यदि आस्था और राष्ट्रप्रेम को केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के औजार में बदल दिया जाए, तो सबसे अधिक क्षति उन्हीं मूल्यों की होती है जिनका नाम लेकर समर्थन माँगा जाता है। लोकतंत्र की शक्ति इसी में है कि नागरिक प्रश्न पूछें, तथ्यों की माँग करें और किसी भी सार्वजनिक दावे का मूल्यांकन उसके वास्तविक आचरण के आधार पर करें। मुखौटे समय के साथ बदल सकते हैं, लेकिन चरित्र अंततः अपने कर्मों से ही पहचाना जाता है। यही किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र, उत्तरदायी राजनीति और जागरूक समाज की सबसे बड़ी कसौटी है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के दबाव में प्राण गंवातीप्रतिभाएं

प्रो. वसीम खान
लेखक

भारत के करोड़ों युवा चौतरफा दबाव में हैं। उनके एक तरफ परिवार के सपने हैं, दूसरी तरफ कोचिंग का अथाह दबाव और तीसरी तरफ पेपर माफियाओं का वह काला नेटवर्क जो मेहनतकश विद्यार्थियों की वर्षों की तपस्या को एक रात में राख कर देता है।

उन्हें एक ऐसी अदृश्य दौड़ में शामिल कर दिया गया है, जिसकी न कोई निश्चित मंजिल है, न कोई निष्पक्ष नियम। यह केवल एक शैक्षिक संकट नहीं, यह उस पीढ़ी का संकट है जो देश का भविष्य है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने शिक्षा को केवल ज्ञानार्जन तक सीमित न मानते हुए इसे व्यक्तित्व निर्माण और जीवनोपयोगी कौशल से जोड़ने पर बल दिया है। शिक्षा का उद्देश्य केवल प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण कर रोजगार पाना ही नहीं है, बल्कि समाज को सही दिशा देना व समाज के प्रति उत्तरदायी बनाना भी है। यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, हावर्ड, कैम्ब्रिज और टोक्यो जैसे विश्वविद्यालयों ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु खेलकूद, कला, संगीत, नाटक, सेवाकार्य और सृजनात्मक गतिविधियों को शिक्षा का हिस्सा माना है। उनका मानना है कि शिक्षा पद्धति प्रतियोगी परीक्षाओं में उच्च अंक हासिल करने तथा डिग्री तक सीमित न रहे, अपितु वह विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, धैर्य, सहिष्णुता, नेतृत्व व नैतिकता जैसे मूल्यों का विकास कर सके। आज कई अभिभावक उच्च पदों के लिए तैयारी हेतु अपने बालकों को नामचीन कोचिंग सेन्टर्स पर भिजवाते हैं। उनका यह सोच श्रेष्ठ है। परन्तु यह देखा गया है कि कोचिंग सेन्टर्स पर पढ़ाई का इतना दबाव होता है कि कई विद्यार्थी तनाव में आकर आत्महत्या तक कर लेते हैं। साल भर कठिन परिश्रम करके परीक्षा देने तथा उसके बाद प्रश्नपत्र के आउट होने के समाचार सुनकर परीक्षार्थी भारी तनाव में आ जाते हैं। हाल ही में 2026 के नीट यूजी पेपर लीक के पुख्ता सबूत मिलने पर परीक्षा को रद्द करने तथा 21 जून को दोबारा आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय ने नीट की परीक्षा देने वाले कई विद्यार्थियों को हतोत्साहित किया है। 'दोबारा परीक्षा देने की हिम्मत नहीं' लिखकर मध्यप्रदेश की 18 वर्षीय छात्रा आकांक्षा चतुर्वेदी ने फांसी के फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। उसके पिता कृष्ण कुमार चौबे किसान हैं। उन्होंने अपनी बेटी को डॉक्टर बनाने के सपने को पूरा करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए 3 लाख रुपयों का कर्ज लिया था।

नीट का पेपर देने के बाद आकांक्षा को परीक्षा में चयन होने का पक्का भरोसा था, परन्तु परीक्षा के रद्द होने के कारण उसने तनाव में आकर आत्महत्या कर ली। यह कोचिंग का अतिरिक्त दबाव है कि बिना विद्यार्थी की इच्छा के माता पिता दिखावे एवं होड़ के चक्कर में बच्चों को कक्षा 8 -9 में ही कोचिंग के लिए भेज रहे हैं। आँकड़े बताते है कि वर्ष 2021 में भारत में प्रतिदिन औसतन 35 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की और तब से यह आँकड़ा बढ़ता ही जा रहा है।

यह आँकड़े सिद्ध करते हैं कि यह समस्या किसी एक राज्य या शहर तक सीमित नहीं, बल्कि एक राष्ट्रव्यापी शैक्षिक संकट का रूप ले चुकी है। नीट यूजी परीक्षा 2026 के पेपर लीक मामले में सीबीआई ने पुणे के प्रो. पी.वी. कुलकर्णी को मुख्य मास्टर माइंड के रूप में गिरफ्तार किया है। इसके अतिरिक्त मनीषा मंधारे नामक एक अन्य प्रोफेसर को भी एनटीए एक्सपर्ट के रूप में उनकी संदिग्ध भूमिका हेतु पकड़ा गया है। उनका यह घिनौना कृत्य 'बाड़ खेत को खावे' वाली कहावत को चरितार्थ करता है। इससे पूर्व सन-2024 में भी पेपर लीक, व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर पेपर के स्क्रीनशॉट वायरल होने और व्यापक स्तर पर धांधली के गंभीर मामले सामने आये थे।

यह केवल नैतिक पतन नहीं, बल्कि एक सुनियोजित आपराधिक अर्थव्यवस्था है जो मेधावी युवाओं के भविष्य को खरीद और बेच रही है। इसके अतिरिक्त 2015 में भी नीट के स्थान पर होने वाली एआईपीएमटी परीक्षा का पेपर लीक हो गया था, जिसके कारण सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से परीक्षा रद्द कर दोबारा आयोजित की गई थी। पिछले 20 वर्षों में 60 से भी अधिक बार भर्ती परीक्षाओं में पेपर आउट होने की घटनाएं हुई हैं। सन- 2024 में नीट के अलावा यूजीसी नेट, सीयूईटी, आरआरबी तथा एसएससी सीजीएल जैसी अनेक परीक्षाएं एक साथ विवादों में आईं। यह तथ्य स्पष्ट करता है कि यह कोई अकेली या आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि एक गहरी प्रणालीगत विफलता है। इन प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने के मामलों में कई कोचिंग सेंटर्स और माफियाओं की भूमिका एक संगठित नेटवर्क के रूप में सामने आयी है। यह केवल कानून प्रवर्तन की समस्या नहीं, बल्कि एक माँग आपूर्ति की समस्या है जिसकी जड़ें हमारी परीक्षा केन्द्रित व्यवस्था में हैं। आज भी हमारे देश में 5 करोड़ युवा जो विभिन्न विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे हैं, उन्हें अपने परिश्रम व नैतिकता के आधार पर सरकारी नौकरी पाना अत्यन्त कठिन लगता है। विचारणीय तथ्य यह है कि महज 0.1 प्रतिशत बेईमान लोग कड़ी चौकसी के बावजूद 99.9 प्रतिशत ईमानदार लोगों के सुरक्षा कवच में सेंध लगाने में सफल हो रहे हैं। भर्ती परीक्षाएं विद्यार्थियों में भारी चिंता, तनाव व अवसाद का कारण बनती जा रही हैं और वर्ष भर की कड़ी मेहनत के बाद प्रश्नपत्र का आउट हो जाना 'कोढ़ में खाज' वाली बात लग रही है। चूँकि वे कोचिंग के लिए सुबह 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक अपने आप को खपा रहे हैं, तो वे अन्य शारीरिक गतिविधियों के लिए समय दे ही नहीं सकते। एसोचैम की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार भारत का कोचिंग उद्योग 58,000 करोड़ से अधिक का हो चुका है और 2028 तक यह 1.33 लाख करोड़ तक पहुँच सकता है। यह आँकड़ा इस बात का प्रमाण है कि हमने शिक्षा को व्यापार बना दिया है। कोचिंग संस्थानों से जइस कोचिंग संस्कृति ने हमारी परम्परागत शिक्षा व्यवस्था की नींव को पूरी तरह खोखला कर दिया है। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के कक्षा कक्षों में विद्यार्थी नहीं मिलते, परन्तु हर मुहल्ले और गली में खुले वे छोटे छोटे कमरे जिन्हें लाइब्रेरी का नाम दिया गया है और जो केवल बैठने की जगह देते हैं, वहाँ विद्यार्थियों की भीड़ उमड़ी रहती है। यह दृश्य हमारी शिक्षा व्यवस्था की उस दुखद विडम्बना को उजागर करता है जिसमें डिग्री तो महाविद्यालय से मिलती है, परन्तु ज्ञान कोचिंग की फोटोकॉपी सामग्री तक सिमट कर रह गया है। कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद इन कोचिंग सेंटर्स के आकर्षक व लुभावने विज्ञापनों को पढ़कर विद्यार्थी वहाँ प्रवेश ले लेते हैं, जबकि उनके आधारभूत ज्ञान की नींव अत्यधिक कमजोर होती है। पिछले 20 वर्षों से इस कोचिंग प्रवृत्ति से सबसे बड़ा नुकसान हमारे युवाओं को हुआ है। जो युवा पहले पार्कों में खेला करते थे एवं अन्य शारीरिक गतिविधियों में भाग लेते थे, वह सब बन्द हो गया है। महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों की स्थिति और भी गंभीर है, जहाँ 60 80 विद्यार्थियों की कक्षा में मात्र 10 12 ही उपस्थित रहते हैं। एक कड़वा पहलू यह भी है कि आज पुस्तक विक्रेताओं के यहाँ विषय पुस्तकें मँगाई ही नहीं जातीं, क्योंकि विद्यार्थी अब केवल कोचिंग की सामग्री खरीदता है। मूल विषय पुस्तकें पढ़ना तो उसने कब का बन्द कर दिया है। इस सन्दर्भ में फिनलैण्ड का उदाहरण अत्यन्त विचारणीय है, जहाँ निजी कोचिंग की कोई परम्परा नहीं है, फिर भी वह देश पीसा (प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट असेसमेंट) की वैश्विक रैंकिंग में शीर्ष पर बना रहता है। फिनलैण्ड का यह उदाहरण सीधे यह सिद्ध करता है कि कोचिंग और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक दूसरे के पर्याय नहीं हैं। असली शिक्षा वह है जो बच्चे के भीतर जिज्ञासा जगाए, भय नहीं। यह मेरा व्यक्तिगत सुझाव है कि किसी भी सरकारी नौकरी में भर्ती हेतु 50 प्रतिशत अंक उनके अकादमिक स्तर (सीनियर, बी.ए. या एम.ए.) तथा 50 प्रतिशत अंक प्रतियोगी परीक्षाओं के जोड़कर वरीयता सूची तैयार की जानी चाहिए। पहले मेडिकल प्रवेश हेतु नीट नहीं होता था और 12वीं के प्रतिशत के आधार पर चयन होता था। इसी प्रकार शिक्षण सेवाओं के लिए बी.एड. के प्रतिशत के आधार पर मेरिट बनती थी तो विद्यार्थी नियमित कक्षा कक्ष शिक्षण करता था एवं समग्र ज्ञान भी अर्जित करता था। परन्तु आज वह अपनी 12वीं, बी.ए., बी.कॉम. या बी.एससी. की डिग्री को मात्र पात्रता की औपचारिकता मानता है और उसे गंभीरता से पढ़ना नहीं चाहता। वह तो कक्षा 9 से ही कोचिंग में जाना चाहता है। इसको रोकना है तो इससे जहाँ प्रतिभावान विद्यार्थियों को नैसर्गिक न्याय मिलेगा, वहीं पेपर माफियाओं की उछलकूद पर भी अंकुश लगेगा। उल्लेखनीय है कि यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में प्रीलिम्स, मेन्स और इंटरव्यू तीनों का संयुक्त मूल्यांकन होता है अर्थात देश की सर्वोच्च भर्ती प्रक्रिया ने भी 'एक परीक्षा, एक अवसर' के मॉडल को कभी स्वीकार नहीं किया। फिर नीट और जेईई जैसी परीक्षाओं में यही एकल परीक्षा मॉडल क्यों थोपा जाए। महाविद्यालयों में पढ़ने वाले नियमित विद्यार्थियों के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होती है, परन्तु इन कोचिंग सेंटर्स के कारण इस आदेश की पालना कहाँ तक हो पा रही है, इस कड़वे सच को कोई उजागर नहीं करना चाहता। केन्द्र सरकार द्वारा पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट 2024 को कड़ाई से लागू किया जाना चाहिए। इस एक्ट के तहत पेपर लीक करने वाले गिरोहों को 10 साल की जेल और 1 करोड़ रुपयों तक के जुमार्ने का प्रावधान है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने भी नीट के पेपर आउट होने पर अपनी गहरी चिंता व प्रतिक्रिया प्रकट की है तथा 21 जून 2026 को दुबारा होने वाली नीट परीक्षा की पूरी प्रक्रिया प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर छात्रों तक वितरण की सीधी निगरानी अपने हाथों में ली है, जो सरकार की पारदर्शिता व शुचिता के साथ परीक्षा आयोजित करवाने के संकल्प को दशार्ता है। आज समय आ गया है कि हम इस प्रश्न का उत्तर ईमानदारी से खोजें, क्या हम अपनी अगली पीढ़ी को सीखने के लिए तैयार कर रहे हैं, या केवल परीक्षा पास करने के लिए। आकांक्षा चतुर्वेदी जैसी बेटियों की मौत हमें यह सोचने पर विवश करती है कि जिस व्यवस्था में एक किसान का सपना और उसकी बच्ची की जान दोनों एक ही रात में टूट जाते हैं, वह व्यवस्था सुधार की नहीं, आमूल परिवर्तन की माँग करती है। प्रतियोगी परीक्षाओं के ईमानदारीपूर्वक संचालन, अकादमिक शिक्षा को उचित महत्व देने और कोचिंग माफिया पर कठोर अंकुश लगाने से ही योग्य, परिश्रमी व निष्ठावान युवाओं को विभिन्न सरकारी सेवाओं में कार्य करने का अवसर मिलेगा। यही युवा आगे चलकर विकसित भारत 2047 के लिए मील के पत्थर साबित होंगे परन्तु इसके लिए पहले उन्हें जीने का अवसर तो मिले।

मिट जायेगा बेईमान

उदय किशोर साह

कविता

जब जाग उठेगा ईमान की स्वाभिमान
उस दिन पतन हो जायेगा जग से बेईमान
फिर ना गुंजेगी लुट खसोट की कोई गान
धूर्तों की अन्त हो जायेगा तब श्रीमान

जग में छाया है शोषण का आज अंधियारा
छल कपट बन गया है यहाँ जीने का सहारा
ओछेपन की हो रही है कण कण पे गुणगान
मिट जायेगा एक दिन जग से सब हैवान

भाई ही भाई का बन गया समाज में हत्यारा
धन दौलत की लालच बन गया है नजारा
हर नुक्कड़ पे खड़ा देख रहा है यहाँ शैतान
तम छँट जायेगी उस दिन जब होगी विहान

दबंगता ,हनक की बढ़ रही है यहाँ इज्जत
नकली चेहरे की झुठी दिख रही शौहरत
असलियत की छुप गई जग में पहचान
षड़यंत्रकारी हो जायेगा इक दिन गुमनाम

माता पिता जिनको लगता है दुश्मन
लुप्त हो जायेगा उस शख्स का अंजुमन
कहाँ गुम हो गये सज्जन और इन्सान
कब तलक मौन रहोगे मेरे ओ भगवान

डिजिटल युग में सिमटते रिश्ते: तकनीक ने दुनिया को जोड़ा, लेकिन क्या दिलों की दूरियाँ बढ़ा दीं?

किशन भावनानी
लेखक

वैश्विक स्तरपर आज का दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सोशल मीडिया, स्मार्टफोन और डिजिटल कनेक्टिविटी का युग है। दुनिया पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई दिखाई देती है, लेकिन विडंबना यह है कि इंसान अपने ही रिश्तों से धीरे-धीरे कटता जा रहा है। विशेषकर वर्तमान जेन- जेड और उसके बाद आने वाली पीढ़ियों में आत्मनिर्भरता निजी जीवन(प्राइवेसी),सीमित सामाजिक दायरा और 'मेरी जिंदगी,मेरे नियम' जैसी सोच तेजी से बढ़ रही है।परिणाम स्वरूप रिश्तेदारों से मिलना- जुलना, पारिवारिक आयोजनों में भाग लेना, बड़ों का सम्मान करना,संयुक्त परिवार की परंपरा निभाना और रिश्तों के लिए समय निकालना धीरे-धीरे कम होता जा रहा है।अब रिश्ते अक्सर मोबाइल स्क्रीन तक सीमित होकर रह गए हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यदि यही प्रवृत्ति आने वाले वर्षों में और गहरी होती गई तो अगली पीढ़ियाँ आर्थिक रूप से संपन्न होने के बावजूद भावनात्मक रूप से अत्यंत अकेली, तनावग्रस्त और सामाजिक रूप से कमजोर हो सकती हैं। इसलिए आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि तकनीक कितनी आगे बढ़ेगी, बल्कि यह है कि क्या हम अपने रिश्तों को भी उसके साथ बचाकर रख पाएँगे? भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान परिवार, रिश्ते और अपनापन रहे हैं। यदि इन्हें खो दिया, तो विकास की चमक भी जीवन के भीतर का खालीपन नहीं भरपाएगी। इसलिए समय की मांग है कि हम आधुनिकता और पारिवारिक मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित करें तथा रिश्तों को बोझ नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी मानकर उन्हें सम्मान, समय और संवेदनाओं से सींचें।

साथियों, भारतीय संस्कृति सदियों से वसुधैव कुटुम्बकम और परिवार-केंद्रित जीवन दर्शन की वाहक रही है। यहां रिश्ते केवल खून के नहीं होते, बल्कि विश्वास, त्याग, अपनत्व और सहयोग की डोर से बंधे होते हैं। पहले परिवारों में दादा-दादी, चाचा-चाची, मामा-मौसी और दूर के रिश्तेदार भी जीवन का अभिन्न हिस्सा होते थे। सुख- दुख साझा किए जाते थे, त्योहार सामूहिक रूप से मनाए जाते थे और बच्चों को संस्कार परिवार से ही मिलते थे। लेकिन बदलती जीवनशैली, व्यस्त दिनचर्या, महानगरीय संस्कृति, उपभोक्तावाद और डिजिटल निर्भरता ने इस सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित किया है। आज अनेक लोग अपने रिश्तों को केवल औपचारिकता तक सीमित कर रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि कठिन समय में सबसे पहले परिवार और रिश्ते ही साथ खड़े होते हैं। साथियो, रिश्तों में दरार का सबसे बड़ा कारण केवल दूरी नहीं, बल्कि संवाद की कमी है। अक्सर व्यक्ति कुछ और कहना चाहता है, सामने वाला कुछ और समझ लेता है और परिणाम गलतफहमी के रूप में सामने आता है। यही गलत फहमी धीरे-धीरे विश्वास को कमजोर कर देती है। इसलिए किसी भी रिश्ते को मजबूत बनाए रखने के लिए खुला संवाद, धैर्यपूर्वक सुनना और भावनाओं को समझना आवश्यक है। बिना संवाद के कोई भी रिश्ता लंबे समय तक स्वस्थ नहीं रह सकता।हर रिश्ते की पहली शर्त सम्मान है। माता-पिता हों, भाई-बहन, जीवन साथी, मित्र या रिश्तेदार यदि सम्मान समाप्त हो जाए तो रिश्ता केवल नाम का रह जाता है। सम्मान के साथ-साथ विश्वास भी उतना ही आवश्यक है। विश्वास एक बार टूट जाए तो उसे पुनः स्थापित करना अत्यंत कठिन हो जाता है। इसलिए रिश्तों में ईमानदारी, पारदर्शिता और भरोसा बनाए रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। साथियों, आज की पीढ़ी को यह भी समझना होगा कि हर समय रोक-टोक, नियंत्रण और हस्तक्षेप रिश्तों को कमजोर कर सकता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचार रखने, निर्णय लेने और व्यक्तिगत स्पेस का अधिकार है। स्वस्थ रिश्ते वही हैं जिनमें अपनापन भी हो औरस्वतंत्रता का सम्मान भी। अत्यधिक निकटता कभी-कभी घुटन का कारण बन जाती है, जबकि संतुलित दूरी रिश्तों मेंताजगी बनाए रखती है। रिश्तों का सबसे बड़ा शत्रु अहंकार है।जैसे ही 'मैं' का भाव 'हम' पर हावी हो जाता है, संबंध टूटने की शुरूआत हो जाती है। कई बार परिस्थितियां ऐसी होती हैं कि संबंध बचाने के लिए झुकना पड़ता है। माफी मांग लेना कमजोरी नहीं, बल्किपरिपक्वता की पहचान है। जीवनसाथी, माता-पिता या किसी भी प्रिय संबंध में जीतने से अधिक महत्वपूर्ण रिश्ते को बचाना होता है। यही कारण है कि कहा जाता है, जो झुकना जानता है, वही रिश्तों को लंबे समय तक निभा पाता है। साथियों सफल रिश्तों की एक और पहचान है, समर्पण और सहमति। जब दो लोग एक- दूसरे के सुख-दुख को साझा करते हैं, एक-दूसरे के निर्णयों का सम्मान करते हैं और कठिन समय में साथ खड़े रहते हैं, तभी रिश्ता मजबूत बनता है। रिश्ते केवल अधिकारों से नहीं चलते, बल्कि जिम्मेदारियों और संवेदनशीलता से जीवित रहते हैं।रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए कुछ सरल लेकिन प्रभावी सूत्र अपनाए जा सकते हैं एक-दूसरे का सम्मान करें, भरोसा बनाए रखें, संवाद कभी बंद न करें, छोटी- छोटी गलतियों को नजरअंदाज करना सीखें, समय-समय पर अपनी गलती स्वीकार करें, एक-दूसरे को पर्याप्त स्पेस दें और परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताएं। यही छोटे-छोटे प्रयास रिश्तों को वर्षों तक जीवंत बनाए रखते हैं। साथियों, हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि हर रिश्ता बचाया नहीं जा सकता। कुछ लोग रिश्तों की मर्यादा, विश्वास और जिम्मेदारी को महत्व नहीं देते। ऐसे संबंध यदि बार-बार मानसिक पीड़ा, अपमान और तनाव का कारण बनें तो उनसे गरिमापूर्ण दूरी बना लेना भी जीवन का एक व्यावहारिक निर्णय हो सकता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश का भव्य स्वागत

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश का कार्यकताओं ने रामलीला गेट पर फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। इस दौरान सैकड़ों कार्यकर्ता गाड़ियों के काफिले के साथ उनका स्वागत करते हुए पहुंचे।स्वागत के उपरांत जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश कार्यकताओं के साथ बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं चौधरी चरण सिंह की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करने पहुंचे। इसके बाद दर्जनों वाहनों के काफिले के साथ उन्हें मीनाक्षी रोड, शास्त्री नगर स्थित उनके आवास तक ले जाया गया। जिला अध्यक्ष बनने पर कार्यकताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर वेद प्रकाश ने कहा कि वह जनपद हापुड़ की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में पूरी मेहनत और लगन से संगठन को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि हापुड़ विधानसभा से विधायक बनने की तैयारी कर रहे वीरेंद्र कुमार शिरीष के हाथों को मजबूत कर उन्हें विधानसभा पहुंचाने के लिए पूरी ताकत से कार्य करेंगे।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कोर कमेटी के सदस्य मुकेश प्रधान, मोहम्मद समीर, जिला महासचिव अशोक कुमार, इरशाद कुरैशी, लीगल सेल के जिला अध्यक्ष अरुण मसंद, मीडिया प्रभारी एडवोकेट विशाल, जिला सचिव लीगल सेल सुरेंद्र, पिंटू सागर, विधानसभा अध्यक्ष राकेश मसंद, मनोज कर्दम, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष नसीम, महिपाल, युवा जिला अध्यक्ष अमरजीत, उमेश सिंह, अभिषेक यादव, आसिफ चौधरी, नाजिम चौधरी, नरेंद्र उर्फ नंदू जाटव, मोंटू जाटव, पंकज जाटव, सुधांशु जाटव, शाहिद सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हापुड़ में धूमधाम से मनाया गया प्रो. राम गोपाल यादव का जन्मदिन

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ राम गोपाल यादव के जन्मदिन के अवसर पर जनपद हापुड़ स्थित समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उनके चित्र के समक्ष केक काटकर हर्षोल्लास के साथ जन्मदिन मनाया। कार्यक्रम के बाद कार्यकताओं के बीच केक वितरित किया गया तथा फल वितरण भी किया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष Anand Gurjar ने कहा कि प्रो. राम गोपाल यादव समाजवादी विचारधारा के सच्चे संवाहक हैं और उनका कुशल मार्गदर्शन पार्टी को सदैव नई दिशा प्रदान करता है।जिला प्रवक्ता Sanjay Singh Yadav ने कहा कि प्रो. राम गोपाल यादव समाजवादी आंदोलन के एक मजबूत स्तंभ हैं। उनकी सादगी, संघर्षशीलता और वैचारिक स्पष्टता सभी कार्यकताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में समाजवादी विचारधारा निरंतर मजबूत हो रही है। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष आनंद गुर्जर, तेजपाल प्रमुख, अय्यूब सिद्दीकी, यसी यादव, अफसाना चौधरी, श्याम सुंदर, साजिद चौधरी वेठ, राजेश यादव, गौरव गोयल सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ऑपरेशन तलाश अभियान के तहत पिलखुवा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 03 वारंटी गिरफ्तार

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वारंटी/वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन तलाश अभियान के अंतर्गत थाना पिलखुवा पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए 03 वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पिलखुवा पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंटों के अनुपालन में तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया।

हापुड़ पुलिस का कहना है कि अपराधियों एवं वारंटियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कार्रवाई की जाती रहेगी।

कांवड़ यात्रा 2026 की तैयारियों का एडीजी ट्रैफिक और डीआईजी ने किया स्थलीय निरीक्षण

राजीव चौधरी

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। आगामी श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से आज अपर पुलिस महानिदेशक (ट्रैफिक एवं सड़क सुरक्षा) ए.एस. गणेश तथा सहारनपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक अभिषेक सिंह ने कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया- इस दौरान परिक्षेत्र के तीनों जनपदों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ यात्रा व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया गया -जनपद शामली में आयोजित समीक्षा बैठक में कांवड़ यात्रा की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर व्यापक रणनीति पर चर्चा की गई-अधिकारियों ने प्रभावी रूट डायवर्जन, भीड़ नियंत्रण, संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था, ड्रोन एवं सीसीटीवी से निगरानी, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, आपदा एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए-निरीक्षण के दौरान कांवड़ मार्ग पर बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, कांवड़ शिविर, विश्राम स्थल, पार्किंग, आपातकालीन निकासी मार्ग, एम्बुलेंस संचालन तथा पुलिस बल की प्रस्तावित तैनाती का भी निरीक्षण किया गया-अधिकारियों ने संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को संभावित अवरोधों को समय रहते दूर करने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

नाबालिग से दुष्कर्म व रंगदारी के आरोपी को हापुड़ पुलिस ने किया गिरफ्तार

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हापुड़ नगर पुलिस ने नाबालिग युवती को नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने, अश्लील फोटो खींचकर रंगदारी वसूलने के मामले में वांछित नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार, आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज था और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। अभियान के दौरान थाना हापुड़ नगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी।

हापुड़ पुलिस ने बताया कि महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध अपराध करने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। मामले की जांच और अन्य आवश्यक कानूनी प्रक्रिया नियमानुसार की जा रही है।

लावारिस शवों की अस्थियों का हरिद्वार सतीघाट में विधि-विधान से विसर्जन कराया जाएगा

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। आज नगर निगम की बोर्ड बैठक में राज्यपाल द्वारा मनोनीत पार्षद राहुल झाँम्ब ने ऐसा प्रस्ताव रखा, जिसने पूरे सदन का दिल छू लिया।

मर्मस्पर्शी प्रस्तावः राहुल झाँम्ब ने महापौर डॉ. अजय कुमार, नगर आयुक्त शिबू गिरी एवं समस्त पार्षदगण के समक्ष कहा कि सहारनपुर शहर के जितने भी अंत्येष्टि स्थल/श्मशान घाट हैं, वहां वर्षों से लावारिस शव पड़े हैं। जिनका आगे-पीछे कोई नहीं है, जिनका क्रिया-कर्म करने वाला कोई नहीं है, जिनकी अस्थियां आज तक विसर्जित नहीं हो सकीं। ये आत्माएं मुक्ति के इंतजार में हैं।'

पुण्य संकल्पः राहुल झाँम्ब ने सदन को आश्वस्त किया कि 'मैं संकल्प लेता हूं कि सहारनपुर के सभी अंत्येष्टि स्थलों में रखी लावारिस अस्थियों को एकत्र कर, पूरे विधि-विधान से, धार्मिक रीति-रिवाज के साथ हरिद्वार के पवित्र सतीघाट में उनका विसर्जन कराऊंगा। ताकि इन अनजान आत्माओं को भी मोक्ष की शांति मिल सके।'

सदन की प्रतिक्रिया राहुल झाँम्ब के इस मानवता से भरे, हृदय को झकझोर देने वाले प्रस्ताव पर सदन में बैठे सभी सदस्य एकमत से खड़े होकर 'सराहना' की।

महापौर का आश्वासनः महापौर डॉ. अजय कुमार ने तुरंत श्री राहुल झाँम्ब को आश्वासन दिया कि 'हम डीएम साहब से बात कर इस कार्य के लिए एक विशेष टीम का गठन करेंगे और इस पुण्य कार्य में नगर निगम पूरा सहयोग करेगा।'राहुल झाँम्ब ने कहा कि

'धन-दौलत से बड़ा कोई धर्म नहीं है। किसी अनजान की अंतिम क्रिया कर देना, उसे गंगा मैया तक पहुंचा देना - यही सच्ची मानवता और सच्ची सेवा है।'

युवती पर फायरिंग मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, अवैध पिस्टल और थार कार बरामद

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हापुड़ नगर पुलिस ने जसरूपनगर निवासी एक युवती पर पिस्टल से फायर कर जानलेवा हमला करने के मामले में नामजद एवं वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त अवैध पिस्टल तथा थार कार भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, थाना हापुड़ नगर पर दर्ज मुकदमा संख्या 353/2026 धारा 109, 352, 351(3) बीएनएस के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी हुसैन पुत्र जाफर अली, निवासी ग्राम सलाई, थाना हापुड़ देहात, जनपद हापुड़ को दसाई रोड स्थित दादरी तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया। बरामदगीः एक अवैध .32 बोर पिस्टल एवं एक जिंदा कारतूस। घटना में प्रयुक्त थार कार (रजिस्ट्रेशन नंबर UP 16 DB 4705)।

देवबंद की नंदनी कुशवाहा ने सीयूईटी राजनीति विज्ञान में 100 परसेंटाइल लाकर किया टॉप

राजीव मोंगरा

सहारनपुर/देवबंद(वेलकम इंडिया)। देवबंद के श्द दून वैली पब्लिक स्कूलश की मेधावी छात्रा नंदनी कुशवाहा ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली विश्वविद्यालय साझा प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। नंदनी ने राजनीति विज्ञान की परीक्षा में शत-प्रतिशत (100 परसेंटाइल) अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया है, जबकि अन्य विषयों में भी उन्हें 99 परसेंटाइल से अधिक अंक मिले हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे द दून वैली पब्लिक स्कूल के लिए यह दोहरी खुशी का अवसर है। कक्षा 12वीं की परीक्षा में भी पुनर्मूल्यांकन के बाद नंदनी का परिणाम बढ़कर 99 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जिससे वह विद्यालय और कमिश्नरी की शीर्ष स्थान पाने वाली छात्रा बन गई हैं।इस शानदार उपलब्धि से विद्यालय परिसर और क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का वातावरण है।

अपनी इस अद्भुत सफलता पर नंदनी कुशवाहा ने बताया कि परीक्षा की तैयारी के दौरान विद्यालय के सभी शिक्षकों ने उनका लगातार मार्गदर्शन किया और उनकी हर कमी को दूर करने में पूरा सहयोग दिया। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच इसी बेहतर तालमेल के कारण यह शानदार परिणाम संभव हो सका है।

विद्यालय की प्रधानाचार्या ने नंदनी की सराहना करते हुए कहा कि उनकी यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। नंदनी ने अपनी कड़ी मेहनत से यह साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सही मार्गदर्शन से हर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। सभी शिक्षकों ने भी नंदनी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी। विद्यालय प्रबंधन ने इस अवसर पर कहा कि विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना विद्यालय की मुख्य प्राथमिकता है।इसी उद्देश्य के साथ विद्यालय में नियमित शिक्षण और मूल्यांकन की व्यवस्था की जाती है। छात्रा के अभिभावकों ने भी विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि यहाँ मिल रहे बेहतर वातावरण के कारण ही बच्चों को आगे बढ़ने का सही अवसर मिल रहा है।

संपत्ति पर नाजायज कब्जा रोकने की मांग को डीएम को दिया प्रार्थना पत्र

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सड़क दूधली निवासी एक परिवार ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अपनी संपत्ति पर नाजायज कब्जा करने से रोके जाने की मांग की है। थाना जनकपुरी क्षेत्र के सड़क दूधली के निवासी अल्लादी पत्नी मोहम्मद अल्ताफ ने आज जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि वह अपने आवासीय संपत्ति सड़क दूधली में परिवार सहित निवास करते आ रही है।मेरे से सजरे आलम, अब्दुल माजिद व शहजाद बदर ने गांव के अंदर स्थित प्लाट खरीदने की बात की थी इस संबंध में बैनामा निष्पादित होना था लेकिन उसके पुत्र अब्दुल वहाब से साजकर कुछ आरोपियों द्वारा उसके रिहायशी मकान का बैनामा प्लांट दशार्ते हुए करा लिया और उसे कोई पैसा भी नहीं मिला जबकि उसके पास इस संपत्ति के अलावा कोई रियासी संपत्ति नहीं है। महिला का कहना था कि आरोपी जबरदस्ती उसके मकान पर नाजायज रूप से कब्जा करना चाहते हैं जबकि बैनामे में प्लांट दशार्या गया है। उन्होंने जिलाधिकारी से थाना जनकपुरी पुलिस को आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा उसकी संपत्ति पर नाजायज कब्जा रोके जाने के निर्देश देने की मांग की। इस दौरान अब्दुल राजिक, साजिया अली, शहजादी, फरजाना, सुंदर व गुलफिशा आदि मौजूद रहे।

24 लाख रुपये की स्मैक के साथ तीन नशा तस्करों को दबोचा

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जनपद में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ष्ऑपरेशन सवेरा 2.0ष के तहत थाना गंगोह पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन शातिर नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 24 लाख रुपये कीमत की 120 ग्राम अवैध स्मैक तथा तस्करी में प्रयुक्त एक इग्निस कार बरामद की है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहारनपुर परिक्षेत्र द्वारा संचालित ष्ऑपरेशन सवेरा द्द नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओरष अभियान के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी गंगोह के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक इन्द्रेश कुमार के नेतृत्व में सोमवार को यह कार्रवाई की गई। मुखबिर की सूचना पर पशु पैठ चौक, कस्बा गंगोह के पास चेकिंग के दौरान पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रिजवान पुत्र इमरान निवासी गढ़ी गुजरान, मिद्दा, जिला यमुनानगर (हरियाणा), अफजाल पुत्र मुख्तियार निवासी ग्राम कातला थाना चिलकाना तथा नीरज उर्फ बिट्टू पुत्र ब्रह्म सिंह निवासी ग्राम पीरपुरा लखनौती थाना गंगोह के रूप में हुई।

पुलिस के अनुसार रिजवान के पास से 100 ग्राम, अफजाल के पास से 10 ग्राम तथा नीरज उर्फ बिट्टू के पास से 10 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। इसके अलावा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही इग्निस कार भी कब्जे में ली गई।

पूछताछ में तीनों आरोपियों ने बताया कि वे आपस में दोस्त हैं और स्मैक बेचकर नशे की लत पूरी करने के साथ-साथ पैसे कमाते थे। वे नशा करने वालों की तलाश कर उन्हें स्मैक बेचते थे और मुनाफे की रकम आपस में बांट लेते थे।

सोमवार को भी वे स्मैक बेचने निकले थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना गंगोह में मु0अ0सं0 321²2026, धारा 8²21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अब आरोपियों के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक खंगाल रही है, ताकि इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी अफजाल के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के दो मामले पहले से थाना कुतुबशेर में दर्ज हैं। तीनों आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया।

भाकियू एकता शक्ति ने किया संगठन का विस्तार, सागर शर्मा बने युवा महानगर उपाध्यक्ष

राजेंद्र सिंह

नोएडा(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) ने संगठन के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सागर शर्मा को युवा महानगर उपाध्यक्ष, नोएडा पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति भाकियू एकता शक्ति के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एडवोकेट अक्षित शर्मा एवं युवा महानगर अध्यक्ष नोएडा सतीश शर्मा के नेतृत्व में की गई। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने सागर शर्मा को नियुक्ति पत्र सौंपकर शुभकामनाएँ दीं पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि सागर शर्मा संगठन की नीतियों एवं सिद्धांतों का पालन करते हुए किसानों, मजदूरों, युवाओं एवं समाज के हितों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।भाकियू एकता शक्ति परिवार ने सागर शर्मा के सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की मंगलकामनाएँ व्यक्त करते हुए आशा जताई कि उनके नेतृत्व में नोएडा महानगर में संगठन और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनेगा।

मुख्यमंत्री धामी ने चंपावत में अत्याधुनिक एम.आर.आई मशीन का लोकार्पण किया

ओ पी उनियाल

देहरादून(वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज चंपावत में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व और ऐतिहासिक सौगात दी। मुख्यमंत्री ने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के अंतर्गत आई.सी.आई.सी.आई फाउंडेशन फॉर इन्क्लूसिव ग्रोथ के सहयोग से लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित अत्याधुनिक एम.आर.आई मशीन का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ उत्तराखण्ड ही समर्थ, आत्मनिर्भर और विकसित उत्तराखण्ड का मुख्य आधार है। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि राज्य में अस्पतालों के निर्माण के साथ उन्हें आधुनिक चिकित्सा उपकरणों, गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और प्रशिक्षित मानव संसाधन से सशक्त बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा एम.आर.आई मशीन के उद्घाटन से सीमांत क्षेत्र के लाखों लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, समय पर सटीक जांच और उच्च स्तरीय उपचार की सुविधा का लाभ मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इस अनुपम सुविधा का लाभ न केवल चंपावत, बल्कि पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, नैनीताल तथा इसके आसपास के सभी सीमांत क्षेत्रों के नागरिकों को प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने पुरानी कठिनाइयों को याद करते हुए कहा कि अब तक चंपावत सहित आसपास के क्षेत्रों के गंभीर मरीजों को एमआरआई जैसी जटिल जांचों के लिए हल्द्वानी अथवा अन्य बड़े शहरों की ओर जाना पड़ता था, जो गंभीर रोगियों और उनके परिजनों के लिए भारी समय, धन और मानसिक कष्ट का कारण बनता था। अब मस्तिष्क, रीढ़, नसों, जोड़ों, कैंसर और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों की उच्च स्तरीय जांच स्थानीय स्तर पर ही सुलभ होगी, जिससे समय पर जांच और समय पर उपचार सुनिश्चित होने के साथ-साथ अनेक बहुमूल्य जीवनों को बचाया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि जिला चिकित्सालय में ही लगभग 11.71 करोड़ रुपये की लागत से लोअर ग्राउंड फ्लोर में पार्किंग, प्रथम एवं द्वितीय तल पर अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक विंग तथा आधुनिक ऑपरेशन थिएटर का निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है, जिसके पूर्ण होने के बाद जनपद की स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक मजबूत व आधुनिक बनेंगी। अमोड़ी में 2.18 करोड़ रुपये की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्य से स्थानीय लोगों को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्राप्त हो रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए इंटीग्रेटेड नर्सिंग संस्थान में 470.05 लाख रुपये की लागत से 129 बेड वाले विशाल व आधुनिक छात्रावास का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है, जो प्रदेश में नर्सिंग शिक्षा को एक नई मजबूती प्रदान करेगा। जनपद चंपावत में एक नए पैरामेडिकल कॉलेज की स्थापना की आवश्यक कार्यवाही भी तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है, जिससे स्थानीय युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर मिलेंगे और राज्य को दक्ष पैरामेडिकल मानव संसाधन प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि आर्थिक अभाव, कभी भी किसी भी परिवार के उपचार में बाधा नहीं बनेगी। आज आयुष्मान भारत योजना और अटल आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना के माध्यम से प्रदेश के लाखों परिवारों को पूरी तरह से निःशुल्क और कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है। चंपावत में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में दिख रहा यह युगांतकारी परिवर्तन हमारी उस अंत्योदय सोच का परिणाम है जिसके केंद्र में आम नागरिक का जीवन, उसका स्वास्थ्य और हमारी सरकार पर उसका अटूट विश्वास है।

इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत श्री आनंद सिंह अधिकारी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रेमा पांडे, ब्लॉक प्रमुख चंपावत श्रीमती अंचला बोहरा, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री गोविंद सिंह सामंत, विधायक प्रतिनिधि चंपावत श्री प्रकाश तिवारी, टनकपुर श्री दीपक रजवार, प्रदेश मंत्री भाजपा अध्यक्ष श्री निर्मल महारा एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

बागेश्वर कोतवाली पुलिस की नशे के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

962 ग्राम अवैध चरस के साथ तीन अभियुक्त को किया गिरफ्तार

गोविन्द मेहता

बागेश्वर(वेलकम इंडिया)। ऑपरेशन प्रहार' के तहत पुलिस अधीक्षक बागेश्वर जितेंद्र मेहरा के नेतृत्व तथा क्षेत्राधिकारी कपकोट मनीष शर्मा के पर्यवेक्षण में जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी/बिक्री की रोकथाम हेतु बागेश्वर पुलिस द्वारा लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।कोतवाली पुलिस ने अवैध चरस तश्करी करने के आरोप में तीन युवकों को अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया है।मामले का खुलासा करते हुए एसपी जितेंद्र मेहरा ने बताया कि पुलिस टीम लगातार अवैध नशे के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है इसके लिए सभी थानाध्यक्षो और एसओजी टीम को ऐसे सभी संदिग्धों पर पैनी नजर बनाते हुए अवैध नशे के काले कारोबारियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कोतवाल अनिल उपाध्याय अपनी पुलिस टीम के साथ आरे द्यांगड बाईपास रोड़ में चैकिंग अभियान चला रहे थे। इस दौरान पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान में यातायात नियमों का पालन करने और नियमों का उल्लंघन कर रहे वाहनों का चालान किया जा रहा था। अचानक चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने कपकोट से बागेश्वर की ओर आ रही स्विफ्ट कार को रोका तभी कार चालक और उसके साथी पुलिस को जल्दी जाने की बात हुए पुलिस टीम को गच्चा देने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली।इस दौरान कार सवार राजू आर्या पुत्र मनोज कुमार निवासी थाना मल्लीताल,विरेन्द्र कुमार पुत्र जीवन लाल निवासी गायत्री निवास जू रोड थाना तल्लीताल नैनीताल, व युगराज कुमार पुत्र मदन राम निवासी ग्राम भैसाडी, ध्याडी थाना दन्या जिला अल्मोडा के पास से 962 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई। पुलिस ने स्विफ़्ट कार संख्या यूके-04टीबी8754 को सीज कर दिया। पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर धारा 08/20/60 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया है।

इस दौरान चरस पकड़ने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक नितिन बहुगुणा,एएसआई पान सिंह, हेडकांस्टेबल सुरेश चन्द्र,जय कुमार, सुबोध रावल,नीरज वाणी, महेश डंगवाल आदि थे।

जनता दरबार में दर्ज हुई 13 शिकायतें अधिकांश समस्याओं का मुख्य विकास अधिकारी ने मौके पर किया समाधान

जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण नही होने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी -लंबित पेंशन प्रकरणों पर दिखाया सख्त रुख

गोविन्द मेहता

बागेश्वर(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी आर सी तिवारी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित हुआ। सर्व प्रथम उन्होंने पूर्व में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों की समयबद्ध कंप्लायंस उपलब्ध कराने तथा सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान सड़क, बिजली, पेयजल एवं पेंशन से संबंधित कुल 13 शिकायतें प्राप्त हुईं। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर शिकायतों का प्रभावी समाधान करने के निर्देश दिए। विभिन्न विभागों में लंबित पेंशन प्रकरणों की शिकायत पर उन्होंने स्वास्थ्य विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सभी लंबित मामलों में दो सप्ताह के भीतर आवश्यक कार्रवाई पूरी कर पात्र कर्मचारियों को पेंशन का लाभ दिलाना को कहा उन्होंने कहा कि पेंशन कर्मचारियों की जीवनभर की जमा-पूंजी है, इसलिए इसके निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं 'हेलो बागेश्वर' पर प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने लंबित शिकायतों के शीघ्र निस्तारण एवं कॉल प्रतिशत में सुधार लाने के निर्देश दिए। कम कॉल प्रतिशत पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर 36 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों के संबंध में सिंचाई खंड कपकोट को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने सेवायोजन विभाग द्वारा तैयार 'कैरियर मार्गदर्शिका' पुस्तिका का विमोचन किया। इस पुस्तिका का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी अभिरुचि एवं क्षमताओं के अनुरूप उचित करियर विकल्प चुनने तथा आवश्यक कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने में मार्गदर्शन प्रदान करना है।इस दौरान सभी विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

कोचिंग सेंटरों के लिए नए नियम बनाने को लेकर प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा

ओ पी उनियाल

देहरादून(वेलकम इंडिया)। एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था, हल्द्वानी ने सम्पूर्ण भारत में दूसरी मंजिल से ज्यादा की ऊंचाई पर और बेसमेंट में संचालित हो रहे कोचिंग सेंटरों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने व एक से दो मंजिल तक की ऊंचाई में कोचिंग सेंटर खोलने का नियम बनाए जाने की मांग को लेकर हल्द्वानी सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। इस दौरान संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू व मार्गदर्शिका पूर्णिमा रजवार ने संयुक्त रूप से कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कोचिंग सेंटरों के द्वारा की जा रही नियमों की अनदेखी के कारण हो रहे हादसों में बहुत से छात्रों को बेवजह में अपनी जान गंवानी पड़ रही है जो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ चिंता का विषय है इसलिए संस्था ने भारत सरकार से यह माँग की है। ज्ञापन देने वालों में संस्था सचिव नन्दकिशोर आर्या, कोषाध्यक्ष बलराम हालदार, मनीषा आर्या, कल्पना भंडारी, अलका टंडन, सुनीता तिवारी, रोहतास प्रजापति, योगेश कश्यप, मोनिका आर्या, खुशी नागर, जानकी कश्यप, सूरज मिस्त्री, नमन तिवारी, दीपक कुमार, सुशील राय, मुकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

क्वीलीगढ़ व जौरासी में स्थापित मंदिर में पूजा-पद्धति और अवशेषों के संरक्षण पर चर्चा

ओ पी उनियाल

देहरादून(वेलकम इंडिया)। सजवाण वंश हितकारिणी संस्था के एक प्रतिनिधि मंडल ने संस्था के संस्थापक डॉ. जगमोहन सजवाण के नेतृत्व में पुराना दरबार ट्रस्ट, टिहरी गढ़वाल के अध्यक्ष ठा. भवानी प्रताप सिंह पंवार के राजपुर रोड़ स्थित आवास पर भेंट की।

प्रतिनिधि मंडल ने क्वीलीगढ़ व जौरासी में स्थापित मंदिर में पूजा-पद्धति और अवशेषों के संरक्षण के संबंध में विचार विमर्श किया। साथ ही ठा. भगत सजवाण की मूर्ति स्थापना के संबंध में गजा में गतवर्ष आयोजित घंटाकर्ण महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा की गयी घोषणा पर प्रगति और कोटा गांव के ग्रामीणों का सहयोग लेने पर भी चर्चा की।

डॉ. जगमोहन ने कहा कि इसके लिए इतिहास, लोकगीतों और अभिलेखों में उपलब्ध ऐतिहासिक तथ्यों, खोज तथा प्रमुख व्यक्तियों से सम्पर्क कर जानकारी एकत्रित करवायी जा रही है।

उन्होंने बताया कि पट्टी क्वीली के कोट गांव में दो साल पहले क्वीलीगढ़ में झण्डारोहण, दीप प्रज्वलित व प्रसाद वितरण और पूजा अर्चना की गयी थी जिसमें कुल पुरोहित बिज्लवाण व उनियाल भी शामिल थे। पूजा के साथ भूमि पूजन करवाया गया था तथा कोट गांव के पूर्व प्रधान पूनम गुसाईं के नेतृत्व में सफाई अभियान गांव की महिलाओं द्वारा चलाया गया था। ट्रस्ट अध्यक्ष ठा.भवानी प्रताप सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को यथासंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया और स्थापना के दिन स्वयं आने को कहा। इस अवसर पर सुन्दर सिंह सजवाण, भूपेंद्र सिंह सजवाण, जगपाल सिंह सजवाण, जसपाल सिंह सजवाण, दिपेश सिंह सजवाण, सुमन सिंह सजवाण, राहुल सिंह सजवाण द्वारा संस्था की ओर से पुष्प- गुच्छ भेंट कर ट्रस्ट अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस पर हुई गोष्ठीः प्रशासनिक आंकड़ों की क्षमता को उजागर करना रही थीम

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के अवसर पर अर्थ एवं संख्या कार्यालय में गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस वर्ष राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस की थीम 'प्रशासनिक आंकड़ों की क्षमता को उजागर करना' पर विस्तार से चर्चा की गई।कार्यक्रम में अर्थ एवं संख्याधिकारी दिनेश सिंह ने प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस के सांख्यिकी क्षेत्र में अमूल्य योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनके जन्मदिवस 29 जून को वर्ष 2007 से राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) के माध्यम से समय-समय पर किए जाने वाले विभिन्न सर्वेक्षणों एवं उनके निष्कर्षों की उपयोगिता की जानकारी भी दी।

लअपर सांख्यिकीय अधिकारी डॉ. बी.एस. राणा ने जनपद स्तर पर राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सैंपल सर्वे के आधार पर सरकार द्वारा विभिन्न नीतियों एवं योजनाओं का निर्माण किया जाता है।

कुराली के किसानों ने की सर्किल रेट बढ़ाने की मांग, जिलाधिकारी को सौंपा प्रार्थना पत्र

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। ग्राम कुराली एवं दानियालपुर उर्फ नौजली के किसानों और भूमि स्वामियों ने वर्ष 2026 की प्रस्तावित सर्किल रेट सूची में अपनी भूमि का सर्किल रेट बढ़ाए जाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपा है।

प्रार्थना पत्र में किसानों ने बताया कि सरकार द्वारा प्रस्तावित सर्किल रेट सूची पर 30 जून 2026 तक आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। इसी क्रम में उन्होंने ग्राम कुराली की भूमि का सर्किल रेट बढ़ाने की मांग की है। किसानों का कहना है कि ग्राम कुराली की सीमा स्टेट हाईवे-59 से पूर्व दिशा में लगभग 500 मीटर से भी कम दूरी पर स्थित है, लेकिन पिछले कई वर्षों से यहां के सर्किल रेट में कोई वृद्धि नहीं की गई है। किसानों ने यह भी कहा कि पड़ोसी गांव उमाही का सर्किल रेट लगातार बढ़ाया जाता रहा है, जबकि समान भौगोलिक स्थिति होने के बावजूद ग्राम कुराली की भूमि का मूल्यांकन नहीं बढ़ाया गया। इससे किसानों को भूमि क्रय-विक्रय और अन्य कार्यों में आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रार्थना पत्र में खसरा संख्या 37, 39, 40, 34, 36, 41, 43, 44, 47, 48, 51, 52, 56, 57, 58, 59, 111, 112, 114, 118, 119, 123, 135, 137, 141, 142, 144, 147, 173, 174, 229 सहित अन्य भूमि का सर्किल रेट बढ़ाने की मांग की गई है। इस दौरान प्रदीप राणा, विकास राणा, कालूराम शर्मा, शुभम राणा, मोहित शर्मा, सुरेंद्र, बलजिंदर सिंह, सतनाम सिंह, मांगेराम रौनी सहित ग्राम कुराली के ग्रामीण तथा मोहम्मद जाबिर, मोहम्मद जाकिर, यूनुस, अब्दुल रज्जाक, इरशाद, अशफाक एवं ग्राम दानियालपुर उर्फ नौजली के अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। किसानों ने जिलाधिकारी से मांग की कि नई सर्किल रेट सूची जारी करते समय उनकी आपत्तियों पर गंभीरता से विचार करते हुए ग्राम कुराली की भूमि का सर्किल रेट बढ़ाया जाए।

पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संविधान निर्माण की प्रक्रिया में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का हमेशा साथ दिया: मो0 अरशद खान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

जौनपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू विचार मंच द्वारा आयोजित गोष्ठी में 'देश की आजादी और तरक्की में पंडित जवाहरलाल नेहरू, उनके परिवार एवं ब्राह्मण समाज का योगदान' विषय पर संबोधित करते हुए मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के आदर्शों पर आधारित राष्ट्र निर्माण का महान संकल्प है।

उन्होंने कहा कि संविधान सभा की प्रारूप समिति (ड्राफ्टिंग कमेटी) के अध्यक्ष बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने अपनी असाधारण विद्वता, संवैधानिक दृष्टि और दूरदर्शिता से भारत को एक आधुनिक, लोकतांत्रिक एवं समतामूलक संविधान प्रदान किया। संविधान निर्माण की पूरी प्रक्रिया के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने बाबा साहब के कार्यों का राजनीतिक और संस्थागत स्तर पर निरंतर समर्थन किया तथा लोकतांत्रिक भारत की सुदृढ़ नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने ने कहा कि इतिहास को तथ्यों के आधार पर समझना और प्रस्तुत करना आवश्यक है। भारतीय संविधान किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि संविधान सभा के अनेक महान राष्ट्रनिमार्ताओं के सामूहिक चिंतन, संवाद और योगदान का परिणाम है। इस ऐतिहासिक कार्य में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद सहित संविधान सभा के सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि आज देश के सामने सबसे बड़ी आवश्यकता संविधान की मूल भावना–सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, समान अवसर और संवैधानिक मूल्यों–की रक्षा करने की है। नई पीढ़ी को संविधान के आदर्शों से जोड़कर ही भारत को अधिक न्यायपूर्ण, समतामूलक और सशक्त राष्ट्र बनाया जा सकता है।

गोष्ठी में उपस्थित वक्ताओं ने भी पंडित जवाहरलाल नेहरू के राष्ट्र निर्माण, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थापना, वैज्ञानिक सोच के विकास, शिक्षा, औद्योगीकरण तथा आधुनिक भारत की आधारशिला रखने में उनके ऐतिहासिक योगदान पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. आनंद प्रकाश तिवारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पंडित जवाहरलाल नेहरू विचार मंच ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने, वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने तथा संविधान की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आजीवन कार्य किया। उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करना प्रत्येक भारतीय का सर्वोच्च कर्तव्य है।

चंपावत में 17 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। चंपावत में 123.79 करोड़ की लागत से 17 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के साथ ही सिटी सेंटर निर्माण हेतु भूमि पूजन तथा जिम कॉर्बेट ट्रेल का शुभारंभ किया। हमारी सरकार सीमांत क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमारा उद्देश्य केवल सड़कों और भवनों का निर्माण करना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े प्रत्येक व्यक्ति को विकास की यात्रा का सहभागी बनाना है। विकसित चंपावत, समृद्ध उत्तराखंड और आत्मनिर्भर सीमांत क्षेत्रों के संकल्प को साकार करने हेतु हम निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद सिंह अधिकारी, माननीय दायित्यवधारी श्याम पांडे, भाजपा जिलाध्यक्ष गोविंद सामंत सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

दानवीर भामाशाह की जयन्ती पर 'व्यापारी कल्याण दिवस' का हुआ भव्य आयोजन

व्यापारी कल्याण दिवस पर करदाताओं का सम्मान, विधायक व डीएम ने सरकार की व्यापारियों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में स्वतंत्रता के पुरोधा, उदारता के गौरव दानवीर भामाशाह के जन्म दिवस दिनांक 29 जून को जनपद में ह्यह्यव्यापारी कल्याण दिवसह्लह्ल के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में माननीय विधायक मेहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी व माननीय विधायक धनघटा गणेश चंद्र चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में ह्यह्यव्यापारी कल्याण दिवसह्लह्ल का आयोजन किया गया। मा0 विधायक मेहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी, मा0 विधायक धनघटा गणेश चंद्र चौहान, जिलाधिकारी आलोक कुमार सहित उपस्थित व्यापारी बन्धुओं एवं पदाधिकारीगणों द्वारा दानबीर भामाशाह के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन डिप्टी कमिश्नर राज्य कर खंड 1 राजेश पाण्डेय ने किया। इसके अतिरिक्त अपर जिलाधिकारी, राज्य कर विभाग के अधिकारीगण, विभिन्न व्यापारिक संगठनों के अध्यक्ष, महामंत्री, व्यापारी प्रतिनिधि तथा जनपद के अनेक गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रमुख वक्ताओं में श्री श्रवण अग्रहरि, श्री विनीत चड्ढा, श्री अमित जैन, श्री सर्वदानंद पाण्डेय एवं श्री विनोद कुमार रूंगटा सहित अन्य वक्ताओं ने दानवीर भामाशाह के त्याग, राष्ट्रभक्ति, उदारता एवं समाज सेवा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके जीवन को व्यापारियों एवं समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया तथा डऊढ (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) के अंतर्गत उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

भामाशाह व्यापारी सम्मान दिवस के अवसर पर माननीय विधायक मेहदावल व माननीय विधायक धनघटा ने समस्त व्यापारियों को शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार व्यापारियों के सम्मान एवं सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि व्यापारियों की समस्याओं के समाधान, जीएसटी व्यवस्था को सरल बनाने, कर भार कम करने तथा कर प्रणाली में सुधार के उद्देश्य से ऋळ 2.0 सुधार लागू किए जा रहे हैं। साथ ही व्यापारियों एवं उनके परिवारों की सुरक्षा हेतु संचालित मुख्यमंत्री व्यापारी दुर्घटना सहायता योजना की भी जानकारी दी। अपने संबोधन में विधायक गणेश चौहान ने कहा कि दानवीर भामाशाह द्वारा व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में अपना संपूर्ण धन समर्पित करना भारतीय इतिहास की अद्वितीय एवं प्रेरणादायी घटना है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार व्यापारियों को सुरक्षित एवं अनुकूल व्यापारिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने 'लोकल फॉर वोकल' अभियान के माध्यम से स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहित करने तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में व्यापारिक विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान राज्य कर विभाग द्वारा जनपद के उत्कृष्ट करदाताओं को सम्मानित किया गया। विभिन्न टर्नओवर श्रेणियों में किसान ट्रेडर्स, अवधेश कुमार शर्मा, रमेश चन्द्र पाण्डेय, सीवी के आर इंटरप्राइजेज, अंकित सिंह, नवदुर्गा ट्रेडर्स, वैभव एसोसिएट्स एवं विनोद कुमार रूंगटा को जिलाधिकारी एवं उपस्थित माननीय विधायकों के करकमलों द्वारा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण में करदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए किया गया। यह आयोजन करदाताओं के सम्मान, व्यापारियों के मनोबल को बढ़ाने तथा समाज में कर भुगतान के प्रति सकारात्मक एवं उत्तरदायी वातावरण विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

इस अवसर पर विधायक मेहदावल एवं विधायक धनघटा को पुष्पगुच्छ एवं अंग वस्त्र सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दानवीर भामाशाह का जीवन आदर्श, जीवन चरित्र एवं जीवन परिचय को विस्तृत रूप से पढ़ कर सुनाया गया। जो काफी प्रेरणादायक रहा। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने इस अवसर पर विधायकगण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दानवीर भामाशाह ने संकट की घड़ी में अपना सब कुछ दान कर राष्ट्र प्रेम का जो अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है वह ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय है। कार्यक्रम का सफल संचालन उपायुक्त राज्य कर राजेश कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित व्यापारी बंधुओ को जीएसटी के लाभों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आज व्यापारी बंधुओ को पंजीयन से लेकर अपना व्यापार कर जमा करने के लिए किसी कार्यालय में जाने की जरूरत नहीं है, सभी प्रकिया ऑनलाइन है। दानवीर भामाशाह के जन्म दिवस पर आयोजित कार्यक्रम ह्यह्यव्यापारी कल्याण दिवसह्लह्ल के अवसर पर महेश मौर्या एवं पार्टी कलाकारों द्वारा लोकगायन की उत्साहवर्धक एवं आकर्षक प्रस्तुति की गयी।

यूपी टीईटी-2026 को सकुशल संपन्न कराने के लिए एडीएम की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक, तैयारियों का लिया गया जायजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। अपर जिलाधिकारी (वित्त व राजस्व) सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में 02, 03 व 04 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली उ0प्र0 शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 (टीईटी) को सकुशल, सुचितापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट व परीक्षा केंद्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई।

समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा 02, 03 व 04 जुलाई 2026 को प्रतिदिन दो पॉलियों में (पूर्वान्ह 09:30 बजे से 12.00 बजे तक एवं अपरान्ह 02:30 बजे 05.00 बजे तक) जनपद के 07 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। सभी परीक्षा तिथियों में कुल 12436 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे।

तैयारियों की समीक्षा के दौरान अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया की सभी परीक्षा केंद्रों के सभी कमरों में सीसीटीवी क्रियाशील रहे। निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु जनरेटर एक्टिव मोड में रहे, जिससे सीसीटीवी बंद न हो। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्र के रोड आदि का पहले से भ्रमण कर लें जिससे कि केंद्र पर पहुंचने में देरी न हो।

परीक्षा के सफल एवं शान्ति पूर्ण संचालन हेतु परीक्षा केंद्र परिसर में मोबाइल फोन एवं आई0टी0 गजेट्स ले जाना पूर्णतया प्रतिबन्धित करने व इस हेतु परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस कर्मी अभ्यर्थियों की तलाशी हेतु तैनात करने, अनुचित साधनों का प्रयोग रोकने तथा प्रश्नपत्र के रख-रखाव एवं उनके संचरण के मध्य समुचित सुरक्षा सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक प्रशासन/पुलिस बल उपलब्ध कराने, प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। परीक्षा के सकुशल संचालन हेतु प्रश्न पत्रों का रखरखाव एवं क्रियाविधि आदि से संबंधित वीडियो को प्ले करके समस्त केंद्र व्यवस्थापकों को दिखाया गया।

समीक्षा के दौरान अपर जिलाधिकारी द्वारा सभी केन्द्रों पर व्यवस्थापकों से समन्वय स्थापित करते हुए परीक्षा केन्द्रों पर आवश्यकतानुसार स्टाफ व आधार भूत सुविधायें यथा बिजली, पानी, जनरेटर इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 रामानुज कनौजिया, अपर उप जिलाधिकारी सुधीर कुमार, उप जिलाधिकारी संजीव राय, पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रियम राजशेखर पांडेय, उपायुक्त श्रम एवं रोजगार प्रभात द्विवेदी, वरिष्ठ कोषाधिकारी त्रिभुवन लाल, जिला विद्यालय निरीक्षक उपेंद्र कुमार, केंद्र व्यवस्थापक एचआरपीजी कॉलेज प्रो0 ब्रजेश कुमार त्रिपाठी, केंद्र व्यवस्थापक संत कबीर आचार्य रामविलास इंटर कॉलेज मगहर राकेश सिंह, केंद्र व्यवस्थापक नेहरू कृषक इंटर कॉलेज रविंद्र कुमार चौरसिया, केंद्र व्यवस्थापक पीबी गर्ल्स इंटर कॉलेज सुमन त्रिपाठी, केंद्र व्यवस्थापक मौलाना आजाद इंटर कॉलेज यूनुस अख्तर खान, केंद्र व्यवस्थापक पीएम श्री राजकीय कन्या इंटर कॉलेज डॉ0 सबीहा मुमताज सहित सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट व संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

जिला जज, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार संतकबीरनगर का किया गया औचक निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। सोमवार को जिला जज रणधीर सिंह, जिलाधिकारी आलोक कुमार व पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने संयुक्त रुप से जिला कारागार संतकबीरनगर का औचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान बैरक, मेस, जेल परिसर आदि की सघन चेकिंग की गई, तत्पश्चात कैदियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं / सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली। मौजूद सभी कारागार कर्मियों को सख्त हिदायत दी कि जेल के अंदर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री ना जाने पाये, समस्त कार्यवाहियों का निर्वहन पूर्ण / सही तरीके से करें । जेल परिसर की साफ-सफाई आदि के सम्बन्ध में कारागार कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नाजिया इलाही खान के खिलाफ कार्रवाई की मांग, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) सिद्धार्थनगर इकाई ने सोमवार को जिला अध्यक्ष निशात अली के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नाजिया इलाही खान पर इस्लाम, पैगंबर हजरत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम), उम्मुल मोमिनीन हजरत आयशा (रज़ि.), पवित्र कुरआन, हदीस एवं इस्लामी मान्यताओं के संबंध में कथित आपत्तिजनक टिप्पणियां करने का आरोप लगाते हुए उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई।

ज्ञापन में कहा गया कि सोशल मीडिया और यूट्यूब पर प्रसारित कथित बयानों से मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं तथा सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका है। संगठन ने मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराकर प्रचलित कानूनों के तहत उचित कार्रवाई करने तथा भविष्य में किसी भी धर्म एवं धार्मिक आस्थाओं के विरुद्ध भड़काऊ और आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की।

इस अवसर पर हिदायतुल्लाह शम्सी, मेराज चौधरी, नईम अख्तर अंसारी, रिजवान जफरुल्लाह, अब्दुल अहद खान, अताउल्लाह चौधरी, एहसान खान, मकबूल खान, मेराज अहमद, मोहम्मद शाहनवाज, अब्दुल सलाम, शम्स तबरेज, इजहार उल हक खान, अब्दुल रहमान, शमसुद्दीन अंसारी, आतिफ खान, मोहम्मद इब्राहिम, सेराज अहमद खान सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वनिधि महोत्सव में लाभार्थियों को वितरित किए गए ऋण स्वीकृति पत्र व प्रमाणपत्र

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। प्रधानमंत्री स्वनिधि (पीएम स्वनिधि) योजना के छह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर में स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्ट्रीट वेंडरों को योजना की जानकारी देते हुए पात्र लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र एवं प्रमाणपत्र वितरित किए गए। अधिशासी अधिकारी अजय कुमार सिंह ने कहा कि योजना के तहत समय पर ऋण चुकाने वाले स्ट्रीट वेंडरों को चरणबद्ध तरीके से अधिक ऋण की सुविधा प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में 15 हजार रुपये, द्वितीय चरण में 25 हजार रुपये तथा तृतीय चरण में 50 हजार रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने लाभार्थियों से समय पर ऋण अदायगी करने तथा योजना का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम में नगर को स्वच्छ बनाए रखने, कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने और जल संरक्षण में सहयोग करने का भी आह्वान किया गया। महोत्सव के दौरान डिजिटल भुगतान, वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम तथा उत्कृष्ट स्ट्रीट वेंडरों का सम्मान भी किया गया।

मन की बात: कार्यकर्ताओं ने लिया पीएम मोदी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

असदुल्लाह सिद्दीकी

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। ग्राम करौंदा खालसा के बूथ संख्या 248 और 249 पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक आयोजन किया गया। भाजपा नेता जयवर्धन तिवारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने इस प्रसारण को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान, स्वच्छता, जनभागीदारी और आत्मनिर्भर भारत जैसे राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने देशवासियों से पर्यावरण संरक्षण करने और स्थानीय उत्पादों (लोकल) को बढ़ावा देकर विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के समापन पर भाजपा नेता जयवर्धन तिवारी ने ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद किया। उन्होंने कहा कि देश के सर्वांगीण विकास के लिए हर नागरिक की सहभागिता अत्यंत जरूरी है। तिवारी ने सभी कार्यकर्ताओं से पीएम मोदी के इस कल्याणकारी संदेश को क्षेत्र के घर-घर तक पहुंचाने की अपील की।इस अवसर पर कौशल किशोर सिंह, सूरज यादव, मंडल महामंत्री बालगोविंद मिश्रा, प्रधान बलराम मौर्या, गोपाल सिंह, सेक्टर प्रमुख बद्री गुप्ता, रामराज चौहान, बलराम निषाद, पप्पू चौरसिया और राम प्रसाद सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की होगी अहम भूमिका : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

असदुल्लाह सिद्दीकी

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु के 10वें दीक्षांत समारोह में सोमवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने का केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की दिशा तय करने वाले संस्थान हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सपने देखने के साथ उन्हें कर्म में बदलना होगा। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी।

समारोह का शुभारंभ राज्यपाल, मुख्य अतिथि काशी हिंदू विश्वविद्यालय की प्रो. मधुलिका अग्रवाल, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी तथा कुलपति प्रो. कविता शाह ने मां शारदा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की स्मारिका 'उत्कर्ष' तथा मासिक पत्रिका 'कनेक्ट' का विमोचन भी किया गया। छात्राओं ने वंदे मातरम एवं विश्वविद्यालय कुलगीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। राज्यपाल ने कहा कि भगवान बुद्ध की पावन धरती से विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश मिला है। उन्होंने स्वर्ण पदक विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना है। उन्होंने जल संरक्षण, नवाचार और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष बल देते हुए युवाओं से विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन समाज में बदलती सोच का प्रतीक है। मुख्य अतिथि प्रो. मधुलिका अग्रवाल ने कहा कि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान स्थापित करेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन का नया अध्याय शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और विकसित भारत के सपने को साकार करने में युवाओं की अहम भूमिका होगी।

कुलपति प्रो. कविता शाह ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय से संबद्ध 265 महाविद्यालयों में पारदर्शी परीक्षा प्रणाली, शोध, नवाचार, मिशन शक्ति तथा डिजिटल व्यवस्थाओं पर विशेष कार्य किया जा रहा है। दीक्षांत समारोह में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के 37 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए, जिनमें 28 छात्राएं एवं नौ छात्र शामिल रहे।

कम्युनिटी पुलिसिंग टीम ने गांव में की जनसंवाद गोष्ठी, बुजुर्गों का जाना हाल

असदुल्लाह सिद्दीकी

त्रिलोकपुर/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। कम्युनिटी पुलिसिंग अभियान के तहत सोमवार को थाना त्रिलोकपुर पुलिस ने क्षेत्र के ग्राम बड़ाहरा विशुनपुर में जनसंवाद एवं गोष्ठी का आयोजन कर वरिष्ठ नागरिकों और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय के नेतृत्व में आयोजित किया गया। गोष्ठी के दौरान पुलिस टीम ने बुजुर्गों से उनकी कुशलक्षेम, आवश्यकताओं एवं दैनिक समस्याओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ नियमित रूप से मिल रहा है तथा गांव में किसी प्रकार की विशेष समस्या नहीं है। सभी लोग आपसी सौहार्द के साथ जीवनयापन कर रहे हैं। पुलिस ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने, साइबर अपराधों से सतर्क रहने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने के लिए जागरूक किया। ग्रामीणों ने पुलिस के इस जनसंपर्क एवं जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर कम्युनिटी पुलिसिंग यूनिट के उपनिरीक्षक गणेश कुमार एवं महिला आरक्षी मनीषा सिंह भी मौजूद रहीं।

सफाई कर्मचारियों की वेतन वृद्धि पर निगम बोर्ड ने लगायी मुहर

पूरे सदन ने महापौर का जताया आभार, निर्माण सम्बंधी सभी प्रस्ताव हुए पारित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। महापौर डॉ. अजय कुमार की अध्यक्षता में आज नगर निगम बोर्ड की बैठक सम्पन्न हुयी। पार्षद संजय गर्ग की माता जी के निधन पर सदन ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी और शोक व्यक्त किया। उसके बाद महापौर ने सदन स्थगित कर दिया। कुछ देर बाद महापौर डॉ. अजय कुमार की अध्यक्षता में सेठ गंगा प्रसाद माहेश्वरी सभागार में पुनः बोर्ड की बैठक शुरू हुयी बैठक में सफाई कर्मियों की वेतन वृद्धि व पांच लाख रुपये का अतिरिक्त बीमा सम्बंधी प्रस्ताव सहित निर्माण कार्य सम्बंधी अनेक प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किये गए। सफाई कर्मियों वेतन वृद्धि का प्रस्ताव कार्यकारणी द्वारा पहले ही पारित किया जा चुका है। प्रारंभ में प्रदेश शासन द्वारा नगर निगम के नामित दस सदस्यों धनपाल कश्यप, मुरारी खेतवाल, मनीष सचदेवा, शिवमंगल सिंह, राजेश वालिया, जसवीर मोगा, प्रवीण रोहिला, राहुल झाम, निशांत शर्मा व अरुण गुप्ता का उपसभापति मयंक गर्ग ने सदन से परिचय कराया तथा सदन प्रभारी जे पी यादव ने पुष्प भेंटकर उनका स्वागत किया। महापौर डॉ. अजय कुमार ने भी सभी नामित पार्षदों का सदन में स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दी। सहारनपुर-मुजफ्फरनगर-शामली स्थानीय निकाय सीट से एमएलसी वंदना वर्मा भी बोर्ड बैठक में पहली बार सम्मलित हुयी। नगरायुक्त शिपू गिरि ने उन्हें बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। एमएलसी वंदना वर्मा ने पार्षदों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे अपनी निधि से सहारनपुर में भी विकास कार्य करायेंगी। उन्होंने महापौर डॉ. अजय कुमार से अनुरोध किया कि वे सहारनपुर के विकास की कोई परियोजना उन्हें बताएं ताकि वह उस पर अपनी निधि से कार्य करवा सके। उपसभापति मयंक गर्ग ने सफाई कर्मचारियों की पूरे प्रदेश में सर्वाधिक वेतन वृद्धि (17 हजार 446 रुपये) और पांच लाख रुपये का अतिरिक्त बीमा कराने के लिए महापौर डॉ. अजय कुमार का पूरे सदन की ओर से आभार व्यक्त किया। अन्य पार्षदों ने भी इसके लिए महापौर का आभार जताया। जबकि पार्षद गौरव जैन ने अपने पिता और पूर्व पार्षद रविसेन जैन के नाम पर रायवाला उद्यान का नामकरण रखने के लिए महापौर का आभार व्यक्त किया। कुछ पार्षदों द्वारा महर्षि बाल्मीकि चौक का मामला उठाये जाने पर महापौर ने सदन को बताया कि प्रस्ताव पास होकर प्रदेश शासन को जा चुका है, वह अपने स्तर से भी मुख्यमंत्री जी से भेंटकर उसकी स्वीकृति शीघ्र दिलाने का प्रयास करेंगे। शाकुंभरी चौक के मुद्दे पर महापौर ने कहा कि यह मां शाकुंभरी का क्षेत्र है,एक बहुत सुंदर शाकुंभरी कॉरीडोर बनवाया जायेगा, इसीलिए इसमें विलंब हो रहा है। महापौर ने संत कबीरदास की जयंती पर पूरे देश को नगर निगम की ओर से बधाई और शुभकामनाएं भी दी। सदन का संचालन सदन प्रभारी जे पी यादव ने किया।

पार्षदों ने उठाए ये मुद्दे

लगभग सभी पार्षदों ने चर्चा में भागेदारी की। पार्षदों ने मुख्यतः पुरानी चुंगी चौक का नाम दक्ष प्रजापति चौक करने, रायवाला-हिरनमारान आदि व्यस्त बाजारों में शुद्ध पेयजल के लिए वाटर कूलर लगवाने, पुल खुमरान पर चोक हुयी पुलिया को ठीक कराने, मानकमऊ चौक पर अस्थायी बस स्टैण्ड वाली निगम की जमीन पर लोगों द्वारा अवैध कब्जा रोकने, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्रों को निर्गत करने में देरी, शिवपुरी शमशान में निर्माण आदि कार्य शीघ्र शुरू कराने, जीआईएस पोर्टल शीघ्र शुरू कराने, पार्कों के नाम महापुरुषों के नाम पर रखने, एसटीपी प्लांट ठप होने, इलाहीपुरा की डेरियों द्वारा गोबर नालियों में बहाने, शरीर सौष्ठव को मेला गुघाल कार्यक्रमों में शामिल करने, वालीवॉल व कबड्डी के लिए भी मैदान उपलब्ध कराने, जैन कॉलेज सीएम ग्रिड के निर्माण कार्य को गति देने के लिए रोड का अतिक्रमण हटाने, पार्षदों के कार्यो के लिए निगम में एक विंडो खुलवाने(ताकि तीनों जोन में न जाना पडे.) तथा निगम गैराज में होने वाली श्रीरामलीला का नाम श्रीराधा कृष्ण रामलीला कमेटी अंकित करने आदि के विषय बैठक में रखे गए। महापौर अजय कुमार व नगरायुक्त शिपू गिरि ने एक-एक कर सभी पार्षदों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए विषयानुकुल कार्रवाई तथा जांच कराने आदि का आश्वासन दिया।

लाइट-पानी पर महापौर के निर्देश

पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्र की लाइट, पानी, सड़क, सीवर आदि की समस्याओं की ओर महापौर का ध्यान दिलाया। पेयजल आपूर्ति के सम्बंध में महापौर ने महाप्रबंधक जल को निर्देश दिए कि जहां पेयजल आपूर्ति की समस्या है वहां पानी का टैंकर भेजा जाए। लाइटों के सम्बंध में महापौर ने पथ प्रकाश प्रभारी को निर्देश दिए कि सब वार्डों में इस आशय से एक सर्वे करा लें कि कितनी लाइट बंद है, कितनी लाइटों की आवश्यकता है। बाद में अधिकारी उसका सत्यापन कर समस्या का समाधान कराएं।

पार्षद ने की मानदेय लौटाने की घोषणा

पार्षद संजय सैनी ने यह कहते हुए पार्षद को मिलने वाला अपना मानदेय न लेने की घोषणा की कि यह सेवा का पद है, उन्होंने जो गत तीन वर्षो में उन्हें मानदेय मिला है, उसे भी उन्होंने लौटाने का ऐलान किया।

निगम में दिखायी न दे ब्लैक लिस्ट ठेकेदार

पार्षदों द्वारा ब्लैक लिस्ट ठेकेदारों द्वारा निगम के कार्यो में हस्तक्षेप करने का मामला उठाने पर महापौर ने चेतावनी देते हुए कहा कि जो ब्लैक लिस्ट ठेकेदार है वह निगम में दिखायी न दें, उन्होंने कहा कि जिसके पास भी वह बैठे हुए पाये गए उसके खिलाफ कार्रवाई की जायेंगी।

राम मंदिर में 200 करोड़ की कथित चोरी पर शिवसेना शिंदे गुट का प्रदर्शन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

मुरादाबाद। अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर में कथित करोड़ों की चोरी के मामले को लेकर शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट ने सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। दर्जनों कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और मामले की सीबीआई जांच की मांग की। महानगर प्रमुख रजत श्रोत्रिय और मंडल प्रमुख गुड्डू सैनी ने बताया कि पिछले दिनों अयोध्या स्थित भगवान श्री राम मंदिर में लगभग 200 करोड़ रुपये की चोरी का मामला प्रकाश में आया है। उनका आरोप है कि हिंदुओं की आस्था के केंद्र में इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद केवल एफआईआर दर्ज कर खानापूर्ति की गई। शिवसेना के दोनों नेताओं ने कहा कि घटना का पता चलते ही दोषियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए था। दोषियों की गिरफ्तारी न होना और अब तक राम मंदिर ट्रस्ट से उन्हें न हटाया जाना संदेह पैदा करता है। उनका कहना है कि कहीं न कहीं इस घटना के दोषियों और मुख्य सूत्रधारों को बचाने की कोशिश की जा रही है। ज्ञापन में कहा गया कि जहां चंद रुपये की चोरी में लोगों को कई साल जेल में रहना पड़ता है, वहीं राम मंदिर में 200 करोड़ से अधिक की कथित चोरी की घटना में एफआईआर काफी देर से दर्ज होना और दोषियों की अब तक गिरफ्तारी न होना राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। नेताओं ने इसे हिंदू समाज के माथे पर कलंक बताया। शिवसेना द्वारा प्रमुख मांगे रखी गई है जिनमें अयोध्या में हुई कथित चोरी की सीबीआई जांच कराई जाए ताकि इसमें शामिल सफेदपोश लोगों के चेहरे बेनकाब हो सकें। जांच पूरी होने तक मंदिर के सभी ट्रस्टियों, पदाधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए ताकि वे जांच को प्रभावित न कर सकें। घटना में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

प्रदर्शन में ये रहे शामिल

प्रदर्शन के दौरान महानगर प्रमुख रजत श्रोत्रिय, मंडल प्रमुख गुड्डू सैनी के साथ शिवसेना पश्चिम उत्तर प्रदेश इकाई के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता जिनमे तिलक सैनी मंगल सैनी मनीष प्रजापति बाबू सैनी कमल त्यागी विशाल सैनी ओम प्रकाश सैनी आदि मौजूद रहें।

तेज रफ्तार रोडवेज बस ने मोपेड चालक को टक्कर मारकर उतारा मौत के घाट

शिकारपुर(वेलकम इंडिया)। बुलंदशहर नरौरा हाईवे पर गांव जलालपुर कटोरा गेट के पास रोडवेज बस ने मोपेड चालक को टक्कर मारकर मौत के घाट उतार दिया। अलीगढ़ के डोरी नगर निवासी ओमवीर सिंह (54 वर्ष) पुत्र ओमप्रकाश मोपेड पर सवार होकर शिकारपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव समनपुर स्थित अपने सादू भगत सिंह के यहां आ रहे थे। रास्ते में पीतल नगरी डिपो की मुरादाबाद से नोएडा जा रही रोडवेज बस ने मोपेड में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में मोपेड सवार ओमवीर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। दूसरा हादसा, इसी हाईवे पर शिकारपुर में अग्रसेन चौक के पास हुआ है, जहां सड़क पर पैदल जा रहे कुलदीप पुत्र किशनलाल को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में कुलदीप गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया है।

चकबंदी विभाग में भ्रष्टाचार को लेकर भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति करेगी महापंचायत

बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। सोमवार को भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के राष्ट्रीय कार्यालय पर एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसका संचालन जिलाध्यक्ष बुलंदशहर चौधरी, जितेंद्र सिरोही ने किया जिसमें गांव मुकीमपुर निवासी किसान जिला संयोजक बुलंदशहर कैप्टन चौधरी विक्रम सिंह के द्वारा अपर जिलाधिकारी बुलंदशहर के यहां नक्शा संशोधन के लिए केस दर्ज कराया था, जिसमें चकबंदी विभाग के सीओ बुलंदशहर राना जी से जांच कर रिपोर्ट मांगी गई, जिसमें चकबंदी विभाग के सीओ बुलंदशहर के द्वारा मौके पर बिना जांच किए गलत रिपोर्ट पेश कर दी गई है, जबकि गलत रिपोर्ट लगाई गई है, जिनके द्वारा परेशान होने पर मजबूरन बुलंदशहर चकबंदी विभाग के सीओ कार्यालय पर भ्रष्टाचार को लेकर होगी महापंचायत।

फतेहपुर पुलिस ने अवैध शस्त्र फैक्ट्री का किया भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। थाना फतेहपुर पुलिस ने अवैध हथियार बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे और निशानदेही पर निर्मित व अर्धनिर्मित हथियारों समेत बड़ी मात्रा में शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देशन में अपराध नियंत्रण तथा अवैध शस्त्रों की तस्करी, बिक्री और निर्माण पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक वीरेन्द्र सिंह राणा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, 29 जून 2026 को मुखबिर की सूचना पर थाना फतेहपुर पुलिस ने ग्राम बुड्ढाखेड़ा पुंडीर नदी के डूब क्षेत्र में बने एक कमरे पर छापेमारी की। यहां से ग्राम गणेशपुर थाना बिहारीगढ़ निवासी रोहित उर्फ बाबा पुत्र रजनेश को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक तमंचा .315 बोर, दो पोना बंदूक 12 बोर, छह अर्धनिर्मित तमंचे .315 बोर, दो-दो नाल .315 और 12 बोर, दो जिंदा कारतूस .315 बोर, पांच जिंदा कारतूस 12 बोर तथा हथियार बनाने में प्रयुक्त ग्राइंडर, हथौड़ी, रेती, आरी, ब्लेड सहित बड़ी संख्या में अन्य उपकरण बरामद किए। मौके से बिना नंबर की एक मोटरसाइकिल भी बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने एक साथी के साथ सुनसान इलाके में अवैध हथियार तैयार करता था और राह चलते लोगों को ऊंचे दामों में बेच देता था। इससे होने वाली कमाई दोनों आपस में बराबर बांट लेते थे। घटना के समय उसका साथी ग्राहक की तलाश में बाहर गया हुआ था, जबकि वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना फतेहपुर में मुकदमा संख्या 255²2026, धारा 3²5²25 आर्म्स एक्ट के तहत रोहित उर्फ बाबा एवं उसके एक अन्य साथी के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है। गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ उप शाखा डिबाई तहसील अध्यक्ष कौशल किशोर निर्विरोध निर्वाचित घोषित फूल माला पहनाकर किया गया स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई/बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ उप शाखा डिबाई तहसील अध्यक्ष का चुनाव निर्विरोध घोषित किया गया जिसमें सभी पदाधिकारी को फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ उप शाखा डिबाई तहसील अध्यक्ष कौशल किशोर वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार कनिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल कुमार मंत्री अख्तर खां उप मंत्री अमित कुमार द्वितीय कोषाध्यक्ष सुश्री पूजा आय व्यय निरीक्षक इंद्रपाल सिंह निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। सभी पदाधिकारियों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया निर्वाचित हुए सभी पदाधिकारियों ने संघ के नियमों पर चलने की शपथ ली। इस इस अवसर पर सत्येंद्र यादव लक्ष्मन सिंह राघव अनिल कुमार आदि तहसील कर्मचारी उपस्थित रहे।

राहगीरों को ठंडा शर्बत पिलाकर पहुंचाई राहत

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। भीषण गर्मी की तपिश झेल रहे राहगीरों को राहत पहुंचाने के मंतव्य से ठंडे शरबत की छबील लगाकर सेवा भाव के साथ शरबत पिलाकर मानवीय संवेदना की मिसाल पेश की गई। नगर के वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र नागर के स्याना-बुगरासी मार्ग स्थित निवास पर उनके सुपुत्र दुष्यंत शर्मा एडवोकेट के नेतृत्व में उक्त आयोजन किया गया जोकि पूरी दोपहर चलता रहा। सेवा कार्यक्रम में रविंद्र कुमार, कुलदीप कुमार, सुभाष चंद, धर्मेन्द्र कुमार दक्ष कुमार सहित अन्य लोगों ने सेवा की। नागरिकों ने शर्बत वितरण सेवा को सबसे बड़ा पुण्य बताते हुए आयोजक राजेंद्र नागर, दुष्यंत शर्मा एडवोकेट व सेवा में लगे लोगों के कार्य को मुक्त कंठ से सराहा। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार को ठंडा, शुद्ध और स्वादिष्ट मीठा शरबत सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में राहगीरों और स्थानीय नागरिकों ने शर्बत ग्रहण कर गर्मी से राहत महसूस की। बुद्धिजीवियों ने बताया कि गर्मी के मौसम में किसी व्यक्ति को पानी या शरबत पिलाना सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है। मालूम हो कि इसी भावना को लेकर नागर भवन के बाहर मुख्य सड़क पर सुबह 11 बजे से शरबत सेवा शुरू की गई। सेवा के दौरान आने-जाने वाले लोगों को ठंडा एवं शुद्ध मीठा शरबत पिलाया गया। आयोजकों व उनके साथियों ने उत्साहपूर्वक सेवा कार्य में भाग लेते हुए मानव सेवा का संदेश दिया। साधारण, गरीब, बुजुर्ग और अन्य लोगों ने शर्बत पीकर राहत महसूस की। दुष्यंत शर्मा एडवोकेट ने कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा और परोपकार का विशेष महत्व है। भीषण गर्मी में लोगों को शीतल पेय की सुविधा न केवल मानवीय सेवा है, बल्कि समाज में सहयोग और सहयोग की भावना भी मजबूत होती है।

ट्रेनिंग पूरी कर घर लौटे शिवम कुमार का राष्ट्रीय सेना संगठन ने किया सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। राष्ट्रीय सेना संगठन भारत के संस्थापक इंजीनियर लोधी दयाराम सिंह वर्मा, महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष मीना सिंह लोधी एवं संगठन के पदाधिकारियों ने ट्रेनिंग पूरी कर घर लौटे शिवम कुमार पुत्र राकेश सिंह का सम्मान किया। इस दौरान उन्हें संगठन का प्रतीक चिह्न भेंट किया गया और गले में सनातन धर्म का पटका पहनाकर शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि देश सेवा के लिए समर्पित ऐसे होनहार नौजवान समाज और राष्ट्र का गौरव हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की मेहनत, अनुशासन और देशभक्ति अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। साथ ही एस.डी. पब्लिक स्कूल थौना के शिक्षकों और शिवम कुमार के माता-पिता के योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के अंत में संगठन के संस्थापक इंजीनियर लोधी दयाराम सिंह वर्मा ने कहा कि जब-जब कोई व्यक्ति देश सेवा के लिए आगे बढ़ेगा, राष्ट्रीय सेना संगठन और उसका प्रत्येक कार्यकर्ता उसके तथा उसके परिवार के मान-सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेगा। इस दौरान संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिशन शक्ति टीम के सहयोग से एक सप्ताह में चार बिखरे परिवार फिर हुए एक, एसआई कोमल उपाध्याय की काउंसलिंग बनी मजबूत रिश्तों की डोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

ककोड़। आज के समय में जहां छोटी-छोटी बातों पर रिश्ते टूट रहे हैं और परिवार बिखरते जा रहे हैं, वहीं थाना ककोड़ के मिशन शक्ति केंद्र की प्रभारी एसआई कोमल उपाध्याय अपनी टीम के सहयोग से टूटते परिवारों को फिर से जोड़ने का सराहनीय कार्य कर रही हैं।

पिछले एक सप्ताह के भीतर मिशन शक्ति केंद्र में पहुंचे वैवाहिक एवं पारिवारिक विवादों के चार मामलों का सफलतापूर्वक समाधान करते हुए एसआई कोमल उपाध्याय एवं मिशन शक्ति टीम ने चार बिखरे परिवारों को दोबारा साथ रहने के लिए राजी किया। उनकी सकारात्मक सोच, धैर्यपूर्ण संवाद, निष्पक्ष कार्यशैली और टीम की सक्रिय भूमिका ने उन परिवारों के जीवन में नई उम्मीद जगा दी, जो अलगाव की कगार पर पहुंच चुके थे।

मिशन शक्ति केंद्र का उद्देश्य केवल विवादों का निस्तारण करना नहीं, बल्कि परिवारों को टूटने से बचाना, महिलाओं को न्याय दिलाना तथा समाज में आपसी विश्वास और सौहार्द को मजबूत करना है। इसी उद्देश्य को साकार करते हुए एसआई कोमल उपाध्याय अपनी पूरी टीम के साथ संवेदनशीलता और निष्ठा से लगातार कार्य कर रही हैं।

परामर्श के दौरान दोनों पक्षों को रिश्तों के महत्व, बच्चों के भविष्य, पारिवारिक मूल्यों और आपसी विश्वास की अहमियत समझाई गई। शांतिपूर्ण एवं सकारात्मक काउंसलिंग के परिणामस्वरूप चारों परिवारों ने अपने पुराने मतभेद भुलाकर नई शुरूआत करने का निर्णय लिया। यह सफलता केवल प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के उत्कृष्ट निर्वहन का भी उदाहरण है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मिशन शक्ति केंद्र की कार्यप्रणाली से अनेक परिवारों को नया जीवन मिला है। एसआई कोमल उपाध्याय एवं उनकी टीम का व्यवहार, निष्पक्ष दृष्टिकोण और मानवीय संवेदनाएं लोगों के बीच विश्वास का मजबूत आधार बन रही हैं। उनके प्रयास यह संदेश देते हैं कि समय रहते संवाद, धैर्य और समझदारी से किए गए प्रयास कई टूटते रिश्तों को फिर से जोड़ सकते हैं।

निश्चित रूप से मिशन शक्ति टीम की यह पहल समाज में पारिवारिक मूल्यों को सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायी उदाहरण है। एसआई कोमल उपाध्याय एवं उनकी टीम का यह कार्य पुलिस की मानवीय छवि को भी मजबूत करता है। बिखरते परिवारों को नई उम्मीद और नई पहचान देने का यह प्रयास न केवल प्रशंसनीय है, बल्कि समाज के लिए प्रेरणास्रोत भी है। यदि इसी प्रकार संवेदनशीलता, समर्पण और टीम भावना के साथ कार्य होता रहा, तो मिशन शक्ति केंद्र आगे भी अनेक परिवारों के जीवन में खुशियों की नई रोशनी बिखेरता रहेगा।

अदालत ने दुष्कर्म के आरोपी को 12 वर्ष का कठोर कारावास व रुपये अर्थदण्ड की सुनाई सजा

बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। अभियुक्त नितीश कुमार पुत्र सुखवीर निवासी ग्राम महमदपुर थाना शिकारपुर जनपद बुलंदशहर द्वारा वर्ष-2017 में वादिया के साथ दुष्कर्म करने की दुस्साहसिक घटना कारित की गयी थी जिसके संबंध में दिनांक 30.04.2017 को थाना कोतवाली नगर पर मुअसं-500/2017 धारा 376 भादवि व 4 पोक्सो व 3(2)(5) एससी/एसटी एक्ट पंजीकृत किया गया था तथा दिनांक 29.06.2017 को पुलिस द्वारा मा0 न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया। इस अभियोग को पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 द्वारा चलाये जा रहे अभियान 'ऑपरेशन कन्विक्शन' के अन्तर्गत चिन्हित करते हुए मॉनीटरिंग सैल बुलन्दशहर द्वारा मा0 न्यायालय में सशक्त, प्रभावी पैरवी कर अभियोजन की कार्यवाही सम्पन्न करायी गई।

साहित्य मंच की मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन

गोष्ठी वीर शिवाजी के हिन्दू साम्राज्य दिवस, पिता दिवस व प्रेम गीत व गजल को रही समर्पित

अनिल वशिष्ठ

साहित्य मंच मोदीनगर

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। साहित्य मंच मोदीनगर की मासिक कवि गोष्ठी प्रदीप भारद्वाज की कवि कुटिया पर आयोजित हुई।जिसकी अध्यक्षता जय भगवान गोयल ने तथा संचालन डॉ. हरिदत्त गौतम अमर ने किया।

गोष्ठी का प्रारंभ कवयित्री श्रीमती गीता रस्तोगी की सरस सरस्वती वंदना ने हुआ। गोष्ठी वीर शिवाजी के हिन्दू साम्राज्य दिवस, पिता दिवस व प्रेम गीत व गजल को समर्पित रही। कवयित्री श्रीमती राखी सिंह ने गोष्ठी को भावुक करते हुए कहा- 'पिता है छाँव, पिता है धूप। पिता है जैसे ईश्वर का रूप।' प्रेम-गीत और गजल की सुप्रसिद्ध कवयित्री श्रीमती मनीषा शर्मा 'शिखर' ने कोकिल स्वर में कहा- 'मुहब्बत के दरिया में साहिल नहीं है।सफर है ये वो जिसकी मंजिल नहीं है।' योगेन्द्र अग्रवाल यशस्वी ने प्रभु श्रीराम के मंदिर में दान चोरी पर सनातन आस्था को ठेस पहुंचाने वाली घटना पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त करते हुए पढ़ा- 'चोरी हुआ चढ़ावा और मौज कर गये चोर। रामराज में देखिए पाप हुआ घनघोर।।' जय भगवान गोयल ने मात-पिता को समर्पित रचना पाठ में कहा- 'माँ देवी है जीवन दात्री, पिता मेरा अभिमान। इस दुनिया में पिता से पाई मैंने पहचान।

'हिन्दी साहित्य के मूर्धन्य कवि डॉ.हरिदत्त गौतम 'अमर' ने पिता के प्रति अपने कृतज्ञ भाव अर्पित करते हुए पिता की यादों की डॉट-दुलार व लालन-पालन हित किये उनके संघर्ष का रेखा चित्र ही खींच डाला। कवि प्रदीप भारद्वाज ने पिता की डॉट को संतान के प्रति प्यार और उनकी उन्नति का आधार समझाते हुए कहा- चोट सहे छैनी सदृश,डांट हथौड़ा वार। पत्थर सम सन्तान में,राम मूर्ति साकार।

श्रीमती गीता रस्तोगी ने पाश्चात्य सभ्यता की ओर भागती युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा को अपनाने का आवाह्न करते हुए सशक्त रचना में कहा- 'पतित पानी राम-कथा जा रही सदियों से गाई। राम बनो भारत के बच्चों अब टर्न तुम्हारी आई।'

गोष्ठी में साहित्य प्रेमी श्रोताओं ने सभी रचनाओं को करतल ध्वनि के साथ जमकर सराहा। गोष्ठी में शहर के मूर्धन्य पत्रकार राम किशोर शर्मा सहित सुधी श्रोता श्रीमती रेखा भारद्वाज, विपुल भारद्वाज, डॉ मोनिका शर्मा. सुश्री दीप्ति, ओजस्विनी, तेजस्विनी आदि उपस्थित रहे।

गोष्ठी के आयोजक प्रदीप भारद्वाज ने सभी आगन्तुकों का विनम्रता पूर्वक आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

नवनिर्वाचित क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर को बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भाजपा जिला मंत्री संजय त्यागी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व राज्य मंत्री एवं पूर्व विधायक ,नवनिर्वाचित क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर का स्वागत कर उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष बनाए जाने पर अपनी ओर से बधाई रूपी शुभकामनाएं प्रेषित की।

श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु हुए शामिल

बाबा के भजनों पर भक्तों ने झूमते हुए बाबा का किया गुणगान

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। महेंद्रपुरी स्थित खाटू श्याम मंदिर में श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव एंव मंदिर का वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बाबा श्याम के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुई।

पंडित ने मंत्रोच्चारण के बीच सांसद एंव रालोद नेता डा राजकुमार सांगवान, विधायक डा मंजू शिवाच, पालिकाध्यक्ष विनोद वैशाली, पूर्व पालिकाध्यक्ष रामआसरे शर्मा आदि गणमान्य लोगों ने विधि विधान से बाबा खाटू श्याम का तिलक कर पूजा-अर्चना संपन्न कराई।इस दौरान भक्तों ने भजनों पर झूमते हुए बाबा का गुणगान किया और अपनी आस्था प्रकट की।

कीर्तन में भजन मंडली द्वारा प्रस्तुत किए गए भजनों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। देर रात तक चले इस आयोजन में भक्तजन भक्ति रस में डूबे नजर आए।इस अवसर पर मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है और लोगों को एकजुट होने का अवसर मिलता है। इस धार्मिक आयोजन में सांसद डा राजकुमार सांगवान, विधायक डा मंजू शिवाच, पालिकाध्यक्ष विनोद वैशाली, नगर पंचायत निवाडी के चेयरमैन अनिल त्यागी सहित कई गणमान्य लोगों ने शिरकत की। इस मौक पर सभासद मोहन सिंह उर्फ मोनू धामा, मंयक शर्मा, देवेंद्र शिशोदिया, सभासद अरूण खन्ना, आदित्य चौधरी उर्फ बोबी,रालोद जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी समेत अन्य श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा।

लगातार बिजली न आने से कई कॉलोनियों के लोग पानी को तरसे

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। गादाना बिजली घर जिस पर लाल बहादुर शास्त्री ,बाग कॉलोनी नेहरू कॉलोनी बादल मार्केट इंद्रपुरी विश्वकर्मा बस्ती कृष्ण कुंज ग्राम गादाना शास्त्री नगर आदि कॉलोनी की लाइट पिछले 20 घंटे से नहीं आ रही है। लाइट नहीं आने से लोग पानी तक को तरसे गए । कॉलोनी वासियों का कहना है कि बिजली विभाग के शहरी क्षेत्र में 24 घंटे बिजली लेने के दावे लगातार दम तोड़ते नजर आ रहे हैं। हालत यह है की लाइन पर क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से आधा धूंध बिजली कटौती जारी है । लोग पानी तक को तरस रहे हैं ।लोगों का कहना है कि जब बिजली आती है तो पानी नहीं और जब पानी आता है तो बिजली नहीं, ऐसे में अब हम क्या करें। पिछले तीन दिनों से लाल बहादुर शास्त्री बाग कॉलोनी नेहरू कॉलोनी बदल मार्केट इंद्रपुरी विश्वकर्मा बस्ती कृष्ण कुंज गादाना शास्त्री नगर की लाइट रात्रि 11:00 बजे से जाकर सुबह 8:00 बजे तक आ रही है। लेकिन रविवार रात 12:00 बजे गई लाइट सोमवार शाम 7:00 बजे तक भी सुचारू नहीं हो पाई । इससे लोगों के सामने पानी की समस्या पैदा हो गई।लोग नगर पालिका के नाल्को के भरोसे रहे।आखिर में परेशान लोग गाड़ना बिजली घर पहुंचे और प्रदर्शन किया।लोगों के पहुंचने की सूचना पर अधिशासी अभियंता धर्मेंद्र कुमार और एसडीओ राम इकबाल मौके पर पहुंचे और किसी तरह लोगों को समझाया। इस अवसर पर धर्मवीर सिंह कर्दम सभासद आलोक भारती और जितेंद्र चौधरी अनुराग चौधरी पवन सिंघल

ई- पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में दस्तावेज लेखकों व अधिवक्ताओं ने शहर में निकाला पैदल मार्च

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ई-पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में दस्तावेज लेखकों का तहसील मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को भी जारी रहा। दस्तावेज लेखक व अधिवक्ताओं ने विरोध स्वरूप तहसील से मोदी मंदिर तक पैदल मार्च निकाला और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। दस्तावेज लेखक काम बंद कर तहसील मुख्यालय पर धरना दे रहे हैं। बैनामे बंद होने के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दस्तावेज लेखकों के आंदोलन को अधिवक्ताओं सहित सभी सामाजिक संगठन समर्थन दे रहे हैं। ई-पंजीकरण प्रक्रिया के विरोध में पिछले 18 दिन से मोदीनगर तहसील में बैनामा लेखकों व वकीलों का आंदोलन चल रहा है। रजिस्ट्री कार्यालय को नहीं खुलने दिया गया है। साथ ही तहसील की सभी कोर्ट का बहिष्कार किया हुआ है। सोमवार को बैनामा लेखक व अधिवक्ता धरनास्थल पर एकत्र हुए। यहां सभी ने हाथ पर काली पट्टी बांधी और ई-पंजीकरण प्रणाली के विरोध में नारेबाजी की।

इसके बाद हाथ में बैनर लेकर तहसील गेट से पैदल मार्च शुरू किया गया। पैदल मार्च दिल्ली-मेरठ मार्ग पर राजचौपले, बसस्टैंड से होकर मोदी मंदिर पर होते हुए तहसील पर ही संपन्न हुआ। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। शांति व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस तैनात रही।

किसान यूनियन किसान सभा ने थाने पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के कार्यकताओं ने निवाड़ी थाने से संबंधित समस्याओं को लेकर थाने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। थाना प्रभारी में समस्याओं की समाधान का आश्वासन दिया।

किसान यूनियन किसान सभा के राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया गया। सत्येंद्र त्यागी ने बताया कि गांव नगला मूसा की शहनाज करीब 6 माह से थाना निवाड़ी के चक्कर काट रही । उसके ससुराल वालों ने उसे मारपीट कर घर से भगा दिया और उसको न्याय नहीं मिल पा रहा था। गांव मोहम्मदपुर में तीन दिन पहले दिन दहाड़े एक घर में लाखों की चोरी होने पर आज तक पुलिस चोरों को नहीं गिरफ्तार किया । कुछ दिन पहले गांव डबाना में कई किसानों की ट्यूबवैलों पर चोरी होने से किसान दहशत में है। पुलिस रात्रि में गस्त न करने पर चोरों के हौसले बुलंद है। अगर जल्द से थाने से संबंधित लोगों की समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो क्षेत्र के किसान मजदूर मिलकर भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के बैनर तले मुरादनगर डी सीपी ऑफिस पर धरना प्रदर्शन करेगी। प्रदर्शन करने वालों में राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी, हैप्पी त्यागी प्रदेश महासचिव, आकाश त्यागी पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष, रोहित त्यागी पश्चिमी उत्तर प्रदेश महासचिव, अमरीश त्यागी प्रदेश उपाध्यक्ष, रोहित चौधरी युवा जिला अध्यक्ष, अन्नु त्यागी प्रदेश प्रभारी, सैकी त्यागी ब्लॉक अध्यक्ष,सागर त्यागी नगर अध्यक्ष मोदीनगर, पूर्व चैयरमैन राजकुमार वर्मा, बिट्टू त्यागी, अवनीश कुमार,सभासद मोंटी त्यागी, ताहिर खान,सुनील त्यागी, मदनलाल फौजी,गोलू त्यागी, शहनाज, कामिल खान आदि लोग मौजूद रहे।

चंद रूपयों की की खातिर हरे भरे छायादार वृक्षों को काटकर बच्चों को धूप में जलने के लिए किया मजबूर

लाखों रुपए की संपत्ति को कौड़ियों के दाम बेच कर की बंदरबांट

राजीव मोंगरा

सहारनपुर/बिहारीगढ़(वेलकम इंडिया)। विकासखंड मुजफ्फराबाद क्षेत्र के गांव खुशहालीपुर खुर्द स्थित प्राथमिक स्कूल की महिला प्रधानाध्यापक पर लाखों रुपए के बेशकीमती यूकेलिप्टस के हरे पेड़ किसी ठेकेदार से साथ साठ-गांठकर मात्र 45 हजार रुपए में बेचकर सरकारी धन की बंदर बांट करने के आरोप लग रहे हैं।स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और सदस्यों के अलावा मौजूदा प्रधान तक को नीलामी प्रक्रिया और पेड़ कटवाने की भनक तक नहीं लगने दी। इस पूरे मामले की शिकायत ग्राम सभा प्रधान धर्मवीर सिंह ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं खंड शिक्षा अधिकारी मु०बाद को देकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि लगभग ढाई लाख रुपए कीमत के पेड़ किसी लकड़ी ठेकेदार से मिली भगत कर निवर्तमान महिला प्रधानाध्यापक ने छुट्टी के दिन रविवार को कटवाकर ठिकाने लगा दिये, जबकि महिला प्रधानाध्यापक चंचल रानी इस पेड़ कटान प्रक्रिया को उचित बता रही है, तथा स्कूल के ही स्टाफ एवं पूर्व ग्राम प्रधानपति पर पांच पेड़ों के कटान मामले में हुए गड़बड़झाले को तूल देने का आरोप लगा रही है। उधर ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि इस मामले को लेकर वह जिलाधिकारी सहारनपुर से मिलेंगे तथा अगर विभागीय किसी अधिकारी ने जांच के नाम पर लीपापोती करनी चाही तो उसे भी संलिप्त मानकर मिली भगत में आरोपी बनाया जाएगा। ग्राम वासियों ने बताया कि पेड़ों से किसी तरह का कोई खतरा स्कूल या बच्चों को नहीं था बल्कि इन पेड़ों के काटे जाने से स्कूल के प्रांगण में छाया नहीं रहेगी जिसके चलते बच्चों को धूप में कार्य करना पड़ेगा सभी स्कूलों में इसी तरह के पेड़ लगे हुए हैं। हरे भरे पेड़ों को गुपचुप तरीके से काट कर बेचना स्कूल प्रबंधन पर सवालिया निशान उठाता है इसकी जांच होनी चाहिए।

ग्राम काजमपुर में उमड़ा काव्यात्मक महाकुंभ, सुरमयी धुनों और कविताओं पर झूमे श्रोता

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतीय साहित्य मंच-मोदीनगर' के तत्वावधान में ग्राम काजमपुर में आयोजित एक भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। काव्य गोष्ठी में मेरठ और गाज़ियाबाद से पधारे शीर्षस्थ रचनाकारों ने अपनी श्रेष्ठ रचनाओं से ऐसा समां बांधा कि उपस्थित जनसमुदाय मंत्रमुग्ध हो उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान पदम सिंह के कर कमलों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस सारस्वत अनुष्ठान की अध्यक्षता मेरठ के वरिष्ठ कवि रामचंद्र वैश्य ने की, जबकि मंच का कुशल एवं ऊर्जावान संचालन कवि अमित अरोरा ने संभाला।

साहित्य मंच की अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा प्रस्तुत मधुर सरस्वती वंदना ने संपूर्ण परिवेश को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। वरिष्ठ रचनाकार और सुरमयी बांसुरी इस काव्यात्मक महाकुंभ का मुख्य आकर्षण क्रांतिधरा मेरठ से पधारे प्रख्यात कवि-दंपत्ति रामचंद्र वैश्य एवं श्रीमती दया वैश्य, तथा ओज के प्रबुद्ध साहित्यकार सतीश अरोड़ा 'सहज' एवं श्रीमती उर्वशी अरोड़ा रहे।

वयोवृद्ध मनीषी रामचंद्र वैश्य के सुमधुर गीतों और उनकी बांसुरी से प्रस्फुटित होती लहरियों ने श्रोताओं को आत्मविभोर कर झूमने पर विवश कर दिया। वहीं सतीश अरोड़ा 'सहज' की ओजस्वी और मर्मस्पर्शी कविताओं पर पूरा सदन देर तक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। दोनों दंपत्तियों की गरिमामयी उपस्थिति ने गोष्ठी की सार्थकता को नए आयाम दिए।

गोष्ठी में पधारे अन्य लब्धप्रतिष्ठ कवियों–ब्रजकण(संस्थापक), बसंत शर्मा, अमित अरोरा, देवी शरण पश्यक , भीम भारत भूषण, कपिल बैरागी, सागर भारती, बलबीर सिंह 'खिचड़ी' तथा कवयित्री सोम प्रभा सभी ने एक से बढ़कर एक रचनाएँ प्रस्तुत कर साहित्य की विभिन्न विधाओं का अनूठा रस घोला।

सभी प्रस्तुतियाँ श्रोताओं के अंतस को आनंदित और रससिक्त कर गईं। कार्यक्रम के समापन सत्र में मेरठ से पधारे मुख्य अतिथि कवि-दंपत्तियों को शाल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर भावभीना सम्मान किया गया।

अखिल भारतीय साहित्य मंच के संरक्षक डॉ श्रद्धानंद ने गोष्ठी के संयोजक कपिल बैरागी, सभी कवियों और ग्राम प्रधान व सभी श्रोताओं का आभार प्रकट किया।

लॉर्ड कृष्णा इंटरनेशनल एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया

राजीव चौधरी

गागलहेड़ी(वेलकम इंडिया)। लॉर्ड कृष्णा इंटरनेशनल एकेडमी के खिलाड़ियों ने जोनल एथलेटिक्स मीट में शानदार प्रदर्शन कर राज्य स्तरीय टीम में चयन कराकर एकेडमी का नाम रोशन किया। 100 मीटर दौड़ में अर्पित ने सबसे तेज फरार्टा लगाकर गोल्ड मेडल हासिल किया। एकेडमी चेयरमैन डॉ आदित्य यादव ने बताता की सेंट पैट्रिक्स एकेडमी, मेरठ में आयोजित दो दिवसीय सीआईएससीई जोनल एथलेटिक्स मीट में लॉर्ड कृष्णा इंटरनेशनल एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए विद्यालय के पांच खिलाड़ियों अर्पित यादव ने 100 मीटर दौड़ में धैर्य कश्यप ने 200 मीटर दौड़ में नव्या यादव, रीति यादव व हर्षदीप ने शॉटपुट प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल किया अर्पित यादव ने लॉन्ग जंप में भी तृतीय स्थान प्राप्त कर दोहरी सफलता अर्जित की।

विद्यालय प्रबंधन एवं प्रधानाचार्य प्रतिभा यादव ने सभी विजेता खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों तथा प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

विद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि को गौरवपूर्ण बताते हुए भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

भामाशाह जयंती पर करदाताओं का सम्मान, राज्य कर विभाग ने उत्कृष्ट व्यापारिक फर्मों को किया सम्मानित

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के मोहननगर स्थित रीजनल ट्रेनिंग सेंटर में सोमवार को राज्य कर विभाग द्वारा दानवीर भामाशाह जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ रहे। इस अवसर पर विभिन्न कर श्रेणियों में उत्कृष्ट कर अदा करने वाली व्यापारिक फर्मों को सम्मानित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए अपर आयुक्त ग्रेड-1 राम केश्वर ने कहा कि देश के विकास में व्यापारियों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। कर से प्राप्त राजस्व के माध्यम से विकास कार्यों को गति मिलती है और विभाग व्यापारियों को बेहतर एवं पारदर्शी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। अपर आयुक्त (अपील) राम मिलन ने दानवीर भामाशाह के त्याग, राष्ट्रभक्ति और महाराणा प्रताप के संघर्ष में उनके योगदान का उल्लेख करते हुए उनके जीवन को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

कार्यक्रम में संस्कृति विभाग की ओर से भक्ति संगीत तथा अयाना डांस एकेडमी द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इस दौरान 100 करोड़ रुपये से अधिक कर देने वाली श्रेणी में गोडफ्रे फिलिप्स इंडिया लिमिटेड और लार्सन एंड टुब्रो सहित विभिन्न श्रेणियों की कई प्रतिष्ठित फर्मों को सम्मानित किया गया। समारोह में राज्य कर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

लोनी तहसील में गरजा कांग्रेस का समर्थन, बैनामा लेखकों और अधिवक्ताओं की लड़ाई में साथ खड़ी पार्टी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लोनी तहसील परिसर में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरनारत बैनामा लेखकों और अधिवक्ताओं को सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी का समर्थन मिला। जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों ने धरना स्थल पहुंचकर आंदोलनकारियों से मुलाकात की और उनकी मांगों को न्यायोचित बताते हुए हर स्तर पर साथ देने का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर सतीश शर्मा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय द्वारा मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र की प्रति बैनामा लेखक संघ के अध्यक्ष जेपी शर्मा को सौंपी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मेहनतकश वर्ग और अधिवक्ताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा संघर्ष करती रही है तथा लोकतांत्रिक तरीके से चल रहे इस आंदोलन के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

धरना स्थल पर जिला उपाध्यक्ष उमेश त्यागी, शहर अध्यक्ष अजय शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष रविंद्र एडवोकेट, जिला महामंत्री महफूज खान, विनोद धामा, प्रमोद शर्मा एडवोकेट, डॉ. जुल्फिकार त्यागी, शिक्षक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष राजीव भारद्वाज सहित कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

बड़ी संख्या में बैनामा लेखक, अधिवक्ता एवं तहसील से जुड़े कर्मचारी भी धरने में शामिल रहे। कांग्रेस नेताओं ने आंदोलनकारियों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों को शासन स्तर तक प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा और जब तक समाधान नहीं होता, पार्टी उनका समर्थन जारी रखेगी।

नाबालिग बेटी पर गलत नजर के शक में लिव-इन पार्टनर की हत्या, ट्रॉनिका सिटी पुलिस ने 12 घंटे में सुलझाई ब्लाइंड मर्डर मिस्ट्री

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र में हुए एक सनसनीखेज ब्लाइंड मर्डर का पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर खुलासा कर दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त डंडा और गमछा भी बरामद किया है।

मृतक जाकिर अपनी लिव-इन पार्टनर किरण के साथ रह रहा था। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि किरण को शक था कि जाकिर की उसकी नाबालिग बेटी पर गलत नजर है। इसी शक के चलते उसने अपनी बहन कशिश के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। बताया गया कि 23 जून को दोनों बहनों ने पहले बच्चों को ओला कैब से बाहर भेजा। इसके बाद घर के अंदर जाकिर पर डंडे से हमला किया और गमछे से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद मामले को आत्महत्या का रूप देने का प्रयास भी किया गया।

पुलिस ने सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज और मैनुअल इनपुट के आधार पर घटना का 12 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दोनों महिला आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

हत्या में प्रयुक्त डंडा और गमछा भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध हत्या सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

कांवड़ यात्रा से पहले ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने की तैयारी, जाम-अतिक्रमण पर सख्ती के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी कांवड़ यात्रा को लेकर गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था/यातायात) की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में जाम की समस्या, सड़क दुर्घटनाओं में कमी तथा ट्रैफिक प्रबंधन को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में सभी यातायात कर्मियों को समय से ड्यूटी पर पहुंचने, चौराहों पर सक्रिय रहकर यातायात संचालन करने तथा एक स्थान पर एकत्र न होने के निर्देश दिए गए।

तिगरी गोल चक्कर और क्रॉसिंग रिपब्लिक में अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाने, इंदिरापुरम में नो-पार्किंग में खड़े वाहनों तथा एनएच-9 पर यातायात बाधित करने वाले ऑटो और बस चालकों के खिलाफ चालान व सीज की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

टीला मोड़ स्थित गैस प्लांटों के बाहर खड़े वाहनों पर लगातार कार्रवाई करने तथा दोबारा उल्लंघन मिलने पर ड्राइविंग लाइसेंस निरस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू करने के भी निर्देश दिए गए। इसके अलावा कांवड़ यात्रा से पहले गड्ढों, जलभराव, टूटी रेलिंग और अवैध कट जैसी समस्याओं का समय रहते समाधान सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों से समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया।

जनसुनवाई में गूंजीं फरियादें, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को लगाई जवाबदेही की ड्यूटी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था/ यातायात) राजकरन नैय्यर ने सोमवार को अपने कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की समस्याएं सुनीं।

उन्होंने प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने कहा कि आमजन की शिकायतों का त्वरित समाधान पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण किया जाए तथा शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त सभी शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

उद्योग बंधु बैठक में सीडीओ का सख्त संदेश, उद्यमियों की समस्याओं का 15 दिन में होगा समाधान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ की अध्यक्षता में आयोजित जिला उद्योग बंधु बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर गंभीरता से विचार किया गया। बैठक में उद्यमियों ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्रवाई, बिजली आपूर्ति में बार-बार ट्रिपिंग, फायर स्टेशन निर्माण, अतिक्रमण तथा आधारभूत सुविधाओं की समस्याएं उठाईं।

मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कर 15 दिनों के भीतर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सीपीसीबी और सीएक्यूएम के समन्वय से जागरूकता कार्यशाला आयोजित कराने के निर्देश भी दिए, ताकि उद्यमियों को पर्यावरण संबंधी नियमों और मानकों की पूरी जानकारी मिल सके।

बैठक में साहिबाबाद साइट-4 से अतिक्रमण हटाने, लोनी ट्रांस दिल्ली सिग्नेचर सिटी में फायर स्टेशन निर्माण, पावी पुस्ता विद्युत उपकेंद्र की समस्याओं के समाधान तथा औद्योगिक क्षेत्रों में निर्बाध बिजली व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सीडीओ ने कहा कि उद्योगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है, जिससे जिले के औद्योगिक विकास को गति मिल सके।

गाजियाबाद में देह व्यापार का भंडाफोड़, विदेशी महिला का रेस्क्यू, संचालक गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना सिहानी गेट पुलिस ने न्यू गांधीनगर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए विदेशी महिला से कथित रूप से अनैतिक देह व्यापार कराने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से विदेशी महिला को सकुशल रेस्क्यू कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, 28 जून 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि न्यू गांधीनगर स्थित मकान संख्या उ-32 में अवैध रूप से देह व्यापार कराया जा रहा है। सूचना के

आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान किराए के मकान में संचालक अंकित गुप्ता उर्फ राहुल मलिक विदेशी महिला को बहला-फुसलाकर बुलाकर उससे कथित रूप से अनैतिक देह व्यापार कराता हुआ मिला।

पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया, जबकि महिला को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा पूरे प्रकरण की जांच जारी है।

प्राधिकरण की लापरवाही पड़ी भारी! खुले गड्ढे में गिरी कार, चालक बाल-बाल बचा

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर अल्फा-1 स्थित रेलवे विहार में गंगाजल पाइपलाइन की खुदाई के बाद खुले छोड़े गए गहरे गड्ढे में एक कार गिर गई। हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि चालक की जान बाल-बाल बच गई। यह घटना थाना बीटा-2 क्षेत्र की बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार, खुदाई के बाद मौके पर न तो बैरिकेडिंग की गई थी और न ही किसी प्रकार का चेतावनी बोर्ड लगाया गया था। लोगों का आरोप है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और संबंधित ठेकेदार की लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ।

घटना के बाद क्षेत्रवासियों ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए शहर में खुदाई के बाद खुले पड़े सभी गड्ढों को तत्काल सुरक्षित कराने, बैरिकेडिंग कराने और चेतावनी संकेत लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

नोएडा की हाईराइज सोसाइटी में आग का तांडव, AC फटने से मची अफरा-तफरी

कपिल चौहान

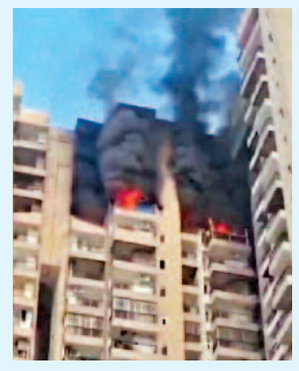

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-113 क्षेत्र स्थित ळौं अ१ंल्ल८ सोसाइटी के एक फ्लैट में अचानक भीषण आग लगने से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें और धुआं उठता देख स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार फ्लैट में आग एसी फटने के कारण लगी बताई जा रही है। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही होगी। दमकल कर्मी आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटे रहे, जबकि पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। राहत की बात यह है कि समाचार लिखे जाने तक किसी जनहानि की सूचना नहीं मिली है।

पुलिस और अग्निशमन विभाग पूरे मामले की जांच कर रहे हैं तथा आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।